वार्तालाप सी.डी.–658 ता. 22.10.08, पी.वी भाग–1
Disc.CD-658, dated 22.10.08 at PV part-1

समय– 0.10–5.32
जिज्ञासु– बाबा एक प्रश्न इसमें बी.के. इन्फो में ये आया है कि 1976 में भारत से विकारों और भ्रष्टाचारों का अंत हो गया। ऐसा लिखा है। तो क्या रामवाली आत्मा 1976 में संपूर्ण बन चुकी है और यदि नहीं हुई है तो फिर ऐसा क्यों कहा जाता है कि बापदादा बच्चों के लिये रूके हुये हैं?
बाबा– बच्चों के लिये रूकना अच्छा नहीं है? बच्चों के लिये रूकना तो अच्छा ही है लेकिन जो शूटिंग चल रही है उस शूटिंग में बाप का भी पार्ट रहना चाहिये कि नहीं रहना चाहिये?
जिज्ञासु– रहना चाहिये।
Time: 0.10-5.32
Student: Baba, a question has been asked on BKInfo that vices and corruption ended from *Bhaarat* in 1976. It has been written like this. So, has the soul of Ram already become complete since 1976 and if he has not become (complete) then why is it said: Bapdada is waiting for the children?
Baba: Is it not good to wait for the children? It is definitely good to wait for the children, but the shooting that is taking place, in that shooting should there also be a role of the father or not?
Student: It should be there.

बाबा– हीरो पार्ट भी रहना चाहिये। उस हिसाब से बताया है कि भारत में से भ्रष्टाचार.............. और भारत माता कहा जाता है भारत पिता तो नहीं कहा जाता। क्या कहा जाता है?
जिज्ञासु– भारत माता।
बाबा– तो भारत माता का जहां तक सवाल है उसमें तो विकारों और भ्रष्टाचार का अंत हुआ ही पड़ा है। 63 जन्मों में भी रहा। औरों के मुकाबले तो ज्यादा ही रहा।
Baba: The hero part should also be there. According to that calculation, it has been mentioned that corruption (has ended) from *Bharat.* And it is said *Bharat mata* (Mother India) and not *Bharat Pita* (Father India). What is said?
Student: *Bharat mata* (mother India)
Baba: So, as far as the question of *Bharat mata* is concerned, vices and corruption has (already) ended from within her. Even in 63 births it was like that. When compared to others, the percentage (of virtues) was certainly more.

जिज्ञासु– तो राम वाली आत्मा के लिये भी ये कहेंगे कि 1976 में उनके...........
बाबा– उसको भारत माता थोड़े ही कहा जाता है। उसको भारत कहा जाता है क्या? हाँ समझा जा सकता है कि भारत माता है तो पिता भी होगा। और पिता तो सारे विश्व का है। सिर्फ भारत का थोड़े ही है। पहले भारत को निर्विकारी बनना है या विश्व को निर्विकारी बनना है?
जिज्ञासु– पहले भारत को।
बाबा– भारत को ही बनना है। भारतवासियों को ही बनना है। विदेशी तो इतनी जल्दी भाषा को ही ग्रास्प (grasp) नहीं कर पा रहे हैं। और फिर 63 जन्मों का हिसाब किताब भी देखा जाता है। 63 जन्मों में ज्यादा पतित कौन बना है?
जिज्ञासु– भारतवासी।

Student: So, will it be said for the soul of Ram too, that in 1976....
Baba: He is not said to be *Bharat Mata* (Mother India). Is he called *Bharat*? Yes, we can understand that when there is a Mother India, there will be a Father (with her) as well. In addition, the Father belongs to the entire world. He does not belong only to India. Is India to become viceless first or is the world to become viceless (first)?
Student: First India has to become (viceless).
Baba: Only India has to become (viceless first). Indians alone have to become (viceless first). The foreigners are unable to quickly grasp even the language. And then the *karmic* accounts of 63 births are also seen. Who has become more sinful in the 63 births?
Student: Indians.

बाबा– भारतवासी, ज्यादा पतित बने है। तो राम वाली आत्मा तो भारत माता में वास करने वाली है। क्योंकि मातृ प्रधान देश है। ये सन्यासी तो हैं नहीं। जो राम–कृष्ण अवतार हैं वो मानवीय अवतार हैं और जो दूसरे अवतार हैं वो और–और हैं। तो उनमें तो प्रवृत्ति मार्ग की बात ही नहीं पक्की होने की । और प्रवृत्ति मार्ग तभी पक्का हो सकता है जब माता को आगे रखा जाये। तो माता तो आखरी जन्म में भी 500 करोड़ के मुकाबले ज्यादा ही निर्विकारी है।
जिज्ञासु– हां जी।
Baba: Indians have become more sinful. So, the soul of Ram is the one who resides in *Bharat Mata* because it is a Motherland. They (the people of India) are not *sanyasis*. The incarnations of Ram and Krishna are human incarnations and the other incarnations are different. So, the issue of path of household cannot be proved to be firm in them. And the path of household can become firm only when the mother is kept ahead. So, the mother is certainly more viceless when compared to the 500 crore (5 billion) souls even in the last birth.
Student: Yes.

बाबा– और पहले तो साक्षात्कार भी नहीं होते थे। कुछ विकारी भावना थी तब। और जबसे वो अपनी स्टेज पे पक्की हो गई तबसे तो साक्षात्कार भी होना शुरू (गये)। बाबा ने बहलाना भी शुरू कर दिया। ऐसे तो रूद्रमाला के बच्चों से भी कहा है– अंत में तुम सबको बहलावेंगे। साक्षात्कार कराते रहेंगे। पवित्र आत्माओं को साक्षात्कार होते है या अपवित्र आत्माओं को साक्षात्कार होते है?
जिज्ञासु– पवित्र आत्माओं को।
Baba: And earlier she did not even use to experience visions. Then she had some vicious feelings (in her). And ever since she became constant on her stage, she also started experiencing visions. Baba also started entertaining (her). In a way even the children of the rosary of *Rudra* have been said: you all will be entertained in the end. He will keep making you experience visions. Do pure souls experience visions or do the impure souls experience visions?
Student: The pure souls (experience visons).

बाबा– पवित्र आत्मा है। तो इसलिये साक्षात्कार हुये , बाबा बहलाते रहे हैं। अभी भी बहला रहे है। ज्ञान भल नहीं है। ज्ञान तो रूद्र माला के आत्माओं में है। ज्ञान की उनको दरकार है जो ज्यादा विकारी होते है। कल ही मुरली में आया रामवाली आत्मा तो सबसे जास्ती विकारी है जिसमें प्रवेश करते है। पतिततम कामी कांटे में आते हैं। तो रामवाली आत्मा की बात कहां से आ गई बुद्धि में। उसको तो अंत तक पार्ट बजाना है क्योंकि विनाश जो है विनाश का कार्य इमप्योरिटी से होता है, प्योरिटी से नहीं होता। पवित्रता से होती है स्थापना। इसलिये कन्याओं माताओं को आगे किया हुआ है। भाइयों को क्यों नहीं आगे कर दिया?

जिज्ञासु– भाई सब दुर्योधन दुशासन।
Baba: She is a pure soul. This is the reason why she experienced visions and Baba has been entertaining (her). Even now He is entertaining (her), although she does not have knowledge. It is the souls of the *Rudramala* who have the knowledge. Those, who are more vicious, require knowledge. Just yesterday it was mentioned in *Murli* that the soul of Ram, in whom He (the Supreme soul) enters, is the most vicious one. He enters in the most sinful lustful thorn. So, how did the question of the soul of Ram appear in your intellect? He has to play a part till the end because destruction takes place through impurity and not through purity. Purity causes establishment. That is why virgins and mothers have been kept ahead. Why were the brothers not kept ahead?
Student: All the brothers are *Duryodhans* and *Dushasans*.

बाबा– ब्रह्मा को आगे कर देते। दाढ़ी मूँछ वाले को। उनको भी आगे नहीं किया गया। वो भी स्त्री तन चाहिये। तब स्वर्ग के गेट खुलेंगे। तो यहां भारत शब्द आया है वो भारत माता के लिये आया है। और मातायें ही हिम्मत करेंगी तो पुरूषों को आगे बढ़ा सकती है। कन्यायें मातायें हिम्मत नहीं करेंगी तो पुरूषों में दम नहीं है। सब दुर्योधन दुश्शासन हैं। रामवाली आत्मा भी– ए टू जेड। तो गलत क्या कहा है बाबा ने? भारत में से भ्रष्टाचार विकारो का अंत होने वाला है। अंत हुआ है तभी तो साक्षात्कार होना शुरू हुये। पहले क्यों नहीं होते थे?
Baba: He could have placed Brahma ahead, the one with beard and moustache. He too was not kept ahead. Even for that, a female body is required, only then the gates of heaven will open. So, here the word '*Bharat*' has been mentioned for '*Bharat mata*'. And only when the mothers show courage, they can enable the men to move ahead (in making effort). If the virgins and mothers do not show courage, the men do not have strength. Everyone (i.e. all males) is a *Duryodhan* and *Dushasan*. Even the soul of Ram (is one) – A to Z (all the males). So, did Baba say anything wrong (by saying) 'Coruption and vices are going to end from *Bharat*'? It has ended; only then did she start experiencing visions. Why was she not experiencing (visions) earlier?

समय– 5.33–6.18
जिज्ञासु– और एक और प्रश्न आया है कि ब्रह्मा बाबा को धर्मराज कहा गया है। तो क्या 1969 के बाद उनको कोई किसी प्रकार की सजा नहीं मिलती है?
बाबा– सजा शरीर के द्वारा मिलती है कि बिना शरीर के मिलती है?
जिज्ञासु– शरीर के द्वारा ही।
बाबा– उनका तो शरीर ही नहीं है। सूक्ष्म शरीर है। वो भी जब तक परिपूर्ण संपन्न बीजरूप स्टेज में न बन जाये तब तक धर्मराज का कार्य शुरू भी नहीं होगा। उसी आत्मा के लिये सारा काम रूका हुआ है। एक के पतित बनने से सब पतित बन जाते हैं। एक के पावन बनने से सब पावन बन जाते है।
Time: 5.33-6.18
Student: One more question has been raised that Brahma Baba has been termed as *Dharmaraj*. So, does he not receive any kind of punishment after 1969?
Baba: Does someone receive punishment through the body or without a body?
Student: It is only through the body.
Baba: He does not have a body at all. He has a subtle body. Furthermore, until he has not achieved the complete seed-form stage, the task of *Dharmaraj* will not start. The entire task is held up because of that one soul. 'When (that) 'one' becomes sinful everyone becomes sinful. When 'one' becomes pure, everyone becomes pure.'

समय– 6.19–10.55
जिज्ञासु– और एक और प्रश्न ये आया है कि पी.बी.केज़ कहते हैं कि हमको यहीं संगमयुग पर मन बुद्धि से परमधाम जैसी स्टेज धारण करनी है। तो फिर वो ऐसा क्यों मानते हैं कि आत्मायें स्थूल परमधाम जरूर जायेंगी अंत में, चाहे वो एक सेकेण्ड के लिये ही क्यों न हो?
बाबा– आत्मा स्थूल है?
जिज्ञासु– आत्मा तो स्थूल नहीं है।
बाबा– आत्मा तो स्थूल नहीं है। लेकिन स्थूल शरीर धारण करती है।
जिज्ञासु– हां जी।
Time: 6.19-10.55
Student: One more question has come up that the PBKs say, we have to achieve a stage like the Supreme Abode here in this Confluence Age itself through the mind and intellect. So, then why is it believed that the souls will certainly go to the physical Supreme Abode in the end, even if it is for a second?
Baba: Is a soul physical?
Student: A soul is not physical.
Baba: A soul is not physical. But it takes up a physical body.
Student: Yes.

बाबा– इस धरती पर परमधाम उतार लेंगे का मतलब है कि शरीर रहते ही निराकारी स्टेज जिन बच्चों की बनेगी वो उस संगठन में होंगे और इस धरा पर ही वो संगठन होना चाहिये क्योंकि भारत का सबसे बड़ा तीर्थ तो................. झूठे–झूठे तीर्थ तो मनुष्यों ने बनाये हुये हैं। भगवान किस तीर्थ की घोषणा कर रहा है? कौनसा तीर्थ है सबसे बड़ा दुनिया का?
जिज्ञासु– आबू।
Baba: 'We will bring the Supreme Abode down on this earth' means, the children who will achieve incorporeal stage while living in the body, will be present in that gathering and that gathering should be on this Earth indeed because the greatest pilgrimage place of India is…………… the false pilgrimage places have been built by the human beings. God is making declaration about which pilgrimage place? Which is the biggest pilgrimage place of the world?
Student: Abu.

बाबा– तो माउंट आबू है दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थ। तो तीर्थ तो तभी होगा जहां किनारे पर पहुंच करके आत्मा ऐसा स्थान ग्रहण करें जहां से उनको मुक्ति की अनुभूति हो। पहुंचते ही उनकी दशा बदल जाये मानसिक। तभी तो तीर्थ कहा जायेगा। प्रैक्टिकल तीर्थ कैसे कहा जायेगा? अभी भी जब हम याद में बैठते हैं बेसिक में तो स्पेशल याद करते थे परमधाम में। तो अवस्था निराकारी बनती थी, निर्विकारी, निरअहंकारी बनती थी या नहीं बनती थी?
जिज्ञासु–बनती थी।
बाबा– फिर? और वो तो साकार परमधाम होगा। वहां तो सारे विश्व को वायब्रेशन मिलेंगे।
Baba: So, Mt. Abu is the biggest pilgrimage place of the world. So, it will become the pilgrimage place (*teerth*) only when a soul, on reaching the banks (*kinara*) of that place finds a destination where it experiences *mukti* (liberation). As soon as they reach that place their mental condition should change. Only then will it be called a pilgrimage place. How will it be called a practical pilgrimage place? Even now when we sit in remembrance, in the basic knowledge we used to remember especially in the Supreme Abode. So, did we use to achieve an incorporeal, viceless, egoless stage or not?
Student: We used to achieve.

Baba: Then? And that will be the corporeal Supreme Abode. (From) there, the entire world will receive the vibrations.

जिज्ञासु– लेकिन वो ये पूछ रहे हैं कि जो सूरज, चाँद, सितारों के भी पार जो परमधाम है, वहां आत्मा को जाने की जरूरत क्यों पड़ती है जब हम परमधाम को यहीं इसी सृष्टि पर हम उतार लेते हैं?
बाबा– सब थोड़े ही उतार लेते हैं। मेरे बच्चे उतार लेते हैं। तुम बच्चे। जो सामने बैठे हैं वो बच्चे या सारे ही उतार लेते है? 'तुम बच्चे' किसको कहा?
जिज्ञासु– जिनको बाबा इमर्ज करते हैं।
बाबा– इमर्ज क्यों करते हैं? वो सन्मुख थोड़े ही होते हैं। बाबा इमर्ज हो करके आते हैं या प्रैक्टिकल में आते हैं?
जिज्ञासु– प्रैक्टिकल में।
बाबा– तो प्रैक्टिकल में बच्चे नहीं होते हैं?
जिज्ञासु– होते हैं।
Student: But they are asking, why is there any need for the soul to go to the Supreme Abode that is beyond the Sun, the Moon and also the stars when we bring the Supreme Abode down to this world?
Baba: Not everyone brings it down. My children bring it down. You children (bring it down). Is it the children who are sitting in front (of Him) or does everyone brings (the Supreme Abode) down? Who are called as 'you children'?
Student: The ones whom Baba emerges.
Baba: Why will He emerge (them)? They (those who are emerged) are not face to face. Does Baba come in an emerged form or in a practical form?
Student: In practical.
Baba: So, are the children not present in practical?
Student: They are.

बाबा– तुम कहा ही जाता है सम्मुख वालों को। तो जो सम्मुख हो करके बच्चे रहते हैं उन बच्चों के लिये ये बात बोली गई है। तुम बच्चे परमधाम को इस सृष्टि पर उतार लेंगे जो आत्मिक स्थिति में स्थित हो जायेंगे, इसी सृष्टि पर। जो इस बात पे विश्वास नहीं करते हैं आत्मा अपन को नहीं समझते हैं, देहभान में रहते हैं, नास्तिकता चढ़ी हुई है या दूसरे–दूसरे धर्मों पर विश्वास करते हैं बाप की बात को नहीं समझते हैं, तो वो तो देहअभिमान में रहेंगे। देहभान में रहने वाले परमधाम को उतना महत्व कैसे देंगे? उनकी बात है ही नही। दुनिया वालों की बात थोड़े ही है ये। दुनियावी आत्माओं को तो उस परमधाम में जाना ही है शरीर छोड़ करके। और धर्मराज की सजायें खाके।
Baba: Only those who are face to face are called 'you'. So, this has been said for the children who remain face to face. You children, who become constant in a soul conscious stage in this world, will bring the Supreme Abode down. Those who do not believe in this, those who do not consider themselves to be souls, those who remain in body consciousness, those who are under the influence of atheism *(nastikta)* or those who believe in other religions, those who do not understand the Father's versions, they will remain in body consciousness. How will those who remain body conscious give that much importance to the Supreme Abode? It is not about them at all. It is not at all the question of the people of the world. The worldly souls have to certainly leave their bodies and go to that Supreme Abode (above) after suffering the punishments of *Dharmaraj*.

जिज्ञासु– लेकिन रामवाली आत्मा के लिये भी कहा जाता है कि एक सेकेण्ड के लिये भी वो जरूर जायेगी।
बाबा– बिल्कुल जायेगी। क्यों नहीं जायेगी?
जिज्ञासु– तो वो उनका ये पूछना है कि वो एक सेकेण्ड के लिये भी जाने की जरूरत क्या है? उस परमधाम में?
बाबा– जब विश्व का पिता है तो आगे–आगे नहीं होगा?
जिज्ञासु– हां जी।
Student: But it is also said for the soul of Ram that it will also definitely go there for a second.
Baba: It will certainly go. Why will it not go?
Student: So, they want to ask, why is there a need for him to go there, in that Supreme Abede even for a second?
Baba: When he is the father of the world, then will he not lead (everyone)?
Student: Yes.

बाबा– फिर? अरे लोगों के प्रश्न इसलिये उठते हैं कि बेसिक नॉलेज को ही नहीं मानते। मुरलियों को नहीं मानते। बाबा के बनाये हुये चित्रों को नहीं मानते। नहीं तो झाड़ के चित्र में शंकर का चित्र बड़ा स्पष्ट दिखाया हुआ है ऊपर कि सब आत्मायें जा रही हैं। शंकर के साथ जा रही हैं। आकारी स्टेज दिखाई गई है शंकर की। ये प्रश्नों की श्रृंखला तो ऐसे हैं जैसे रावण के शीष। ये निकलते ही रहेंगे अंत तक। जब तक नाभि कुंड में बाण नहीं मारता। नाभि कुंड में 16108 नसें–नाडियां जुडी हुई हैं। वो विजय माला जब निकलती है उन सब प्रश्नों का समाधान अपने आप हो जाता है। प्रत्यक्षता तो होने दो। हां बोलो।
Baba: Then? *Arey*, questions arise in people's mind because they do not accept the basic knowledge itself. They do not accept the *Murlis*. They do not accept the pictures prepared by Baba. Otherwise, the picture of Shankar has been shown very clearly above in the picture of the *(Kalpa)* Tree that all the souls are going (up). They are going with Shankar. Shankar has been shown in a subtle stage. This series of questions is like the heads of Ravan. They will keep emerging till the end until an arrow is shot in the naval (in the epic Ramayan, it has been shown that Ravan dies when he is hit with an arrow in his naval). 16108 nerves are connected to the naval. When that rosary of victory (*vijaymala*) emerges, all those questions are automatically solved. Let the revelation take place. Yes, speak.

समय–10.56–14.35
जिज्ञासु– एक और प्रश्न ये आया है कि पालड़ी सेवाकेन्द्र जो है सभी सेन्टरों का बीज रूप है।
बाबा– ठीक है।
जिज्ञासु– और यह ऐसा सेन्टर है जिसमें ब्रह्मा बाबा ने अपने यज्ञ के धन से स्थापित किया और जिसके साथ त्रिमूर्ति में से दो मूर्तियाँ अर्थात रामवाली आत्मा और वैष्णवी देवी की आत्मा जुड़ी हुई थी। फिर ऐसा सेन्टर बन्द क्यों हो गया जबकि बाकी सब सेन्टर फल–फूल रहे हैं?
Time: 10.56-14.35
Student: One more question has been asked that the 'Paladi Center' is the seed-form of all the centers.
Baba: It is correct.
Student: And this is a center, which was established by Brahma Baba with the money of the *yagya* and two out of the three personalities of the *Trimurty*, i.e. the soul of Ram and the soul

of *Vaishnavi Devi* were associated with it. Then why did such a center close down while all the other centers are prospering?

बाबा– इतिहास में सोमनाथ मन्दिर को विदेशियों ने गिराया या नहीं गिराया?
जिज्ञासु– गिराया।
बाबा– तो इतिहास की शूटिंग यहां होती है या नहीं होती है?
जिज्ञासु– होती है।
बाबा– तो फिर प्रश्न खत्म हो गया। सोमनाथ मन्दिर इतिहास में ये दिखाया गया है ना विदेशियों ने आ करके आक्रमण किया। और उस मन्दिर को ध्वस्त कर दिया। तो वो ही आत्मा है शूटिंग करने वाली। राजा विक्रमादित्य की सोल ब्रह्मा बाबा। उन्होने ही स्थापन किया। तो टाइम आने पर गिराया नहीं जायेगा? गिराने की भी शूटिंग होती है। हुई।
Baba: Did the foreigners demolish the *Somnath* Temple in the history or not?
Student: They demolished it.
Baba: So, does the shooting of the history take place here or not?
Student: It takes place.
Baba: Then the question ends there. In the history it has been depicted about *Somnath* Temple that the foreigners came and attacked it, hasn't it? And they demolished that temple. So, it is the same soul that performs the shooting, the soul of King *Vikramaditya*, i.e. Brahma Baba. He himself established it. So, when the time comes, will it not be demolished? The shooting of demolition (of *Somnath* Temple) also takes place. It took place.

जिज्ञासु– और एक और बात अभी ध्यान में ये आई है कि उस समय द्वापरयुग में जब स्थापन किया था तो उस समय ब्रह्मा बाबा की आत्मा तो विक्रमादित्य थी। और रामवाली आत्मा के लिये बताया जाता है कि वो, उनको सलाह देने वाली थी उस समय।
बाबा– पढ़ाई पढ़ाने वाली।
जिज्ञासु– पढ़ाई पढ़ाने वाली। तो, ये जो जैसे अभी पालडी सेवाकेन्द्र के साथ संगमयुग में वैष्णवी देवी की आत्मा जुड़ी हुई थी तो क्या उस समय भी द्वापरयुग में भी वो सोमनाथ मन्दिर से जुडी हुई थी?
Student: And one more aspect that has come to my mind just now is , at that time in the Copper Age when it (the *Somnath* temple) was established, the soul of Brahma Baba i.e. *Vikramaditya* was there. And it is said for the soul of Ram that it was the one to give advice to him (Brahma Baba) at that time...
Baba: The teacher.
Student: The teacher. So, just as now the soul of *Vaishnavi Devi* was associated with the 'Paladi center' in the Confluence Age, so was she associated with the *Somnath* Temple even at that time in the Copper Age?

बाबा– द्वापरयुग शुरू कबसे मानते हैं? शूटिंग में द्वापरयुग कबसे शुरू मानते हैं?
जिज्ञासु– शूटिंग में तो ये जबसे कृष्णवाली आत्मा की प्रत्यक्षता होती है 88–89 में।
बाबा– हैं? बेसिक नालेज के बतौर जब सतयुग की चार अवस्थाओं की शूटिंग हुई उस समय द्वापरयुग की शूटिंग हुई या नहीं हुई?
जिज्ञासु– हां जी, हुई। वो तो 1969 में...
Baba: Since when do you consider the beginning of the Copper Age? From when do you consider the Copper Age to have begun during the shooting (period)?
Student: In the shooting period, (it is considered to be) ever since the soul of Krishna is revealed in (19)88-89.

Baba: Hum? As per the basic knowledge, when the shooting of the four stages of the Golden Age took place, at that time did the shooting of the Copper Age take place or not?
Student: Yes, it did take place. That was in 1969....

बाबा– हां 69 में जब शूटिंग हुई उसी समय रावण राज्य शुरू हुआ। उसी समय विदेश में पहला सेवाकेन्द्र खुला। विदेशी सभ्यता की शुरूआत हुई ब्राह्मणों की दुनिया में। तो उसी समय दोनों आत्मायें मौजूद थीं। तो पालड़ी सेवाकेन्द्र परिपक्व स्टेज में था। और उसमें पहले मन्दिर बनाया जाता है। फिर मन्दिर में मूर्ति स्थापन की जाती है या शिवलिंग स्थापन किया जाता है। ऐसे थोड़े ही कि मन्दिर बनने के साथ ही स्थापन हो जाता हैं। तो 66 में स्थापना मन्दिर की हुई, मन्दिर बना। और 69 में वो लिंग स्थापन किया जाता है। शंकर की मूर्ति स्थापन की जाती है।
Baba: Yes, when shooting took place in 1969, at the same time the kingdom of Ravan commenced. At the same time the first center was opened in the foreign country. The foreign culture began in the world of Brahmins. So, at that time both the souls were present (in the *yagya*). The 'Paladi center' was in a mature stage. And in that process, first the temple is built. Then the idol is installed in the temple or the *Shivling* is installed. It is not that the installation (of the idol) takes place as soon as the temple is built. So, the temple was established; the temple was built in 1966. And the *ling* is installed in 1969. The idol of Shankar is installed.

जिज्ञासु– मतलब उस समय जब विक्रमादित्य थे तब भी क्या वैष्णवी देवी की आत्मा उस समय उनके साथ जुडी हुई थी?
बाबा– वैष्णवी देवी न लिंग है, न हीरा है और न शंकर की मूर्ति है। वो तो आधार है। आधार मन्दिर को कहा जाता है। मन्दिर है आधार जिसमें वो मूर्ति और लिंग रखा जाता है। तो मन्दिर पहले होना चाहिये ना।
जिज्ञासु– हां जी।
बाबा– इसलिये मन्दिर पहले बना 66 में।
Student: I mean to say, when *Vikramaditya* was present, was the soul of *Vaishnavi Devi* associated with him even at that time?
Baba: *Vaishnavi Devi* is neither the *ling*, nor the diamond, nor the idol of Shankar. She is the base. The temple is called a base. The temple is the base in which the idol and *ling* is placed. So, the temple should exist first, shouldn't it?
Student: Yes.
Baba: That is why first the temple was built in (19)66.

समय– 14.36–16.18
जिज्ञासु–एक और प्रश्न ये आया है कि आदि पुरूष और परम पुरूष कौन है?
बाबा– पुरूष किसे कहा जाता है?
जिज्ञासु– आत्मा को।
बाबा– शरीर रूपी पुरी में जो सोता है उसे पुरूष कहा जाता है। तो जो सोने वाले हैं, शयन करनेवाले हैं, आराम करने वाले हैं जो भी आत्मायें उनमें, शयन करने वालों में अव्वल नंबर कौन है?
जिज्ञासु– अव्वल तो प्रजापिता की आत्मा हो गई।
बाबा– उसी में शिव प्रवेश करते हैं। शिव के प्रवेश करने का लक्ष्य क्या है? भक्तिमार्ग चलाना या ज्ञानमार्ग चलाना?
जिज्ञासु– ज्ञानमार्ग चलाना।
बाबा– तो ज्ञानमार्ग का फाउन्डेशन डाला गया।

Time: 14.36-16.18
Student: One more question has been asked, who is *Aadi purush* (the first soul) and who is *Param purush* (the Supreme soul)?
Baba: What is called *purush*?
Student: The soul.
Baba: The one who sleeps in the abode-like body (*puri*) is called *purush.* So, who is number one among the souls who sleep, lie, relax (in their bodies)?
Student: Number one is the soul of Prajapita.
Baba: Shiv enters him. What is the aim of Shiv entering him? Is it to start *bhaktimarg* (path of devotion) or to start *gyanmarg* (path of knowledge)?
Student: To start *gyanmarg*.
Baba: So, the foundation for the path of knowledge was laid.

जिज्ञासु– तो आदि पुरूष प्रजापिता वाली आत्मा को कहेंगे।
बाबा– इसलिये, ज्ञान के आधार पर आदि पुरूष कहेंगे। भक्ति के आधार पर, सुनने और सुनाने का कार्य जिसके द्वारा हुआ, उसको कहेंगे।
जिज्ञासु– परमपुरूष शिव बाप के लिए कहा जा सकता है।
बाबा– वो सोता है? पुरी में सोता है?
जिज्ञासु– नहीं।
बाबा– वो तो जागता ही रहता है।
जिज्ञासु– और एक और प्रश्न ये आया है....
बाबा– परम शब्द तो यूज़ ही उसके लिये किया जाता है जिसकी दूसरों से भेंट हो। तो शिवबाबा की भेंट किसी से थोड़े ही की जा सकती है।
Student: So, the soul of Prajapita will be called *Aadi purush.*
Baba: Therfore, he (Prajapita) will be called *Aadi purush* on the basis of knowledge. On the basis of *bhakti,* the one, through whom the task of listening and narrating was performed, will be called so.
Student: We can say that the Father Shiv is the *Param purush.*
Baba: Does He sleep? Does He **sleep** in the body (*puri*)?
Student: No.
Baba: He always remains awake.
Student: And one more question has been asked….
Baba: The word *'param'* is used only for the one who is compared with others. So, Shivbaba cannot be compared with anyone.

समय– 16.20–18.38
जिज्ञासु– एक और प्रश्न ये आया है कि राम और कृष्ण वाली आत्मा के लिये कहा गया है कि 'कभी तू मेरा बाप और कभी मैं तेरा बाप'।
बाबा– ठीक है।
जिज्ञासु– और संगम में राम द्वारा कृष्ण को जन्म देने की बात का तो प्रूफ है कि आदि में जो है उन्होने जन्म दिया साक्षात्कारों का अर्थ उनके द्वारा बताकर। लेकिन कृष्ण वाली आत्मा द्वारा राम को जन्म देने का प्रूफ कहां है संगमयुग में?
Time: 16.20-18.38
Student: One more question that has come up is, it has been said for the souls of Ram and Krishna: sometimes you are my father and sometimes I am your father.
Baba: It is correct.

Student: And there is a proof of birth of Krishna taking place through Ram in the Confluence Age that in the beginning he (the Supreme soul) gave him (Krishna's soul) birth by narrating the meaning of the visions through him (Ram's soul). But where is the proof of Krishna's soul having given birth to the soul of Ram in the Confluence Age?

बाबा– त्रेतायुग की शुरूआत की बात है ना। त्रेतायुग की शुरूआत में राम का जन्म बताया गया है भक्तिमार्ग में। त्रेतायुग की शुरूआत कब होती है? जन्म माने क्या? जन्म माने प्रत्यक्षता। और प्रत्यक्षता जो होती है वो स्वयं आत्मा अपनी प्रत्यक्षता थोड़े ही करती है? जो सर्विस करने वाले हैं वो ही प्रत्यक्षता करते हैं। तो ब्रह्मा बाबा कृष्ण के रूप में प्रत्यक्ष कब होता है?
जिज्ञासु– 88
बाबा– पीपल के पत्ते पर अंगूठा चूसते हुये कब दिखाया गया?
जिज्ञासु– 88 में।
बाबा– 88 में। तो उस समय विदेशी लोग निकले ना।
जिज्ञासु– हां जी।
बाबा– उसी समय प्रत्यक्षता हुई। ब्रह्मा की सोल 1 साल तक माऊंट आबू में आई भी नहीं।
Baba: It is about the beginning of the Silver Age, isn't it? Ram's birth has been shown in the beginning of the Silver Age in the path of devotion. When does the Silver Age begin? What does birth mean? Birth means revelation; and when the revealation takes place, it is not that the soul reveals itself. Only those who do service bring about revelation. So, when is Brahma Baba revealed in the form of Krishna?
Student: (19)88.
Baba: When has he (i.e. Krishna) been shown sucking his thumb on a fig *(peepal)* leaf?
Student: In (19)88.
Baba: In (19)88. So, at that time the foreigners emerged, didn't they?
Student: Yes.
Baba: At that time itself, revelation took place. Brahma's soul did not even come to Mt.Abu for a year.

जिज्ञासु–तो उस तरीके से कृष्ण वाली आत्मा के द्वारा राम का प्रत्यक्षता रूपी जन्म हुआ।
बाबा– जन्म होता है। वैसे प्रैक्टिकल में जहां तक साकार में देखा जाये, वो तो इस्लाम धर्म की आत्मायें निमित्त बनती है प्रत्यक्षता के। जिनको यशोदा और नंद बाबा कहा गया है। विदेशी है या स्वदेशी हैं वो?
जिज्ञासु– विदेशी हैं।
बाबा– यादव सम्प्रदाय हैं। विदेशी हैं। उनके द्वारा प्रत्यक्षता हुई माना पालना हुई। लेकिन इन्सिपिरेटिंग पार्टी तो शुरूआत में पहली–पहली आत्मा तो ब्रह्मा बाबा को ही कहेंगे ना। बाप ही बच्चों को इनस्पिरेट करता है।
Student: So, in that way the birth-like revealation of the soul of Ram took place through the soul of Krishna.
Baba: Birth takes place. However, if you see from the point of view of corporeal form in practical, they are the souls of Islam who become instruments for revelation. They have been called as *Yashoda* and *Nand Baba* (foster parents of Krishna in mythological stories). Are they *videshi* (foreigners) or *swadeshi* (belonging to ones own country)?
Student: They are *videshi*.
Baba: They belong to the *Yadava* community. They are foreigners. Revelation, i.e. sustenance took place through them. But in the beginning, only Brahma Baba will be said to

be the first soul of the inspirating party, won't he? It is only the father who inspirates the children.

समय– 18.42–19.58
जिज्ञासु–एक और प्रश्न ये आया है कि भक्ति में राधा को कृष्ण से बड़ा क्यों दिखाया गया है? ज्ञान में तो कहते है कि राधा कृष्ण का स्वयंवर होता है लेकिन भक्ति में उनका स्वयंवर कभी दिखाया नहीं गया है।
बाबा– बड़ा इसलिये दिखाया गया कि वो ज्ञान में पहले आती है बेसिक ज्ञान में। तीन वर्ष–चार वर्ष बड़ा दिखाया गया है भक्तिमार्ग में। ज्ञान में भी वो बेसिक नालेज में तीन चार वर्ष पहले आती है।
Time: 18.42-19.58
Student: One more question that has emerged is, why Radha has been shown to be elder than Krishna in *bhakti* (path of devotion)? It is said in the knowledge that *swayamvar* (marriage) of Radha and Krishna takes place, but in *bhakti* their marriage has never been depicted.
Baba: She has been shown to be elder because she comes in knowledge, in the basic knowledge first. She has been shown to be three - four years older (to Krishna) in the path of devotion. Even in the knowledge, in basic knowledge she comes three-four years earlier.

जिज्ञासु– लेकिन भक्ति में उनका स्वयंवर क्यों नहीं दिखाया गया है कभी भी? और रूक्मिणी वगैरह के साथ तो कृष्ण का विवाह दिखाया गया है लेकिन राधा के साथ विवाह नहीं दिखाया गया है।
बाबा– वो तो बाबा ने बताया। स्वयंवर की बात। सब बातें लोगों को थोड़े ही पता है। हिस्ट्री में मनुष्यों को थोड़े ही पता है। शास्त्रकारों को हर बात थोड़े ही पता है। शास्त्रकारों को तो ढ़ेर सारी बातें पता ही नहीं है। ये तो बाबा ने हम बच्चों को आकर बताया है कि राधा कृष्ण का स्वयंवर होता है। स्वयंवर की जो बात है वो सतयुग की थोड़े ही है। वो स्वयंवरण यहीं की बात है। संगमयुग की।
Student: But why has their marriage not been shown in *bhakti*? Furthermore, the marriage of Krishna with *Rukmini* and so on has been shown but, it has not been shown with Radha.
Baba: Baba has told (us) about that, (about) the *swayamwar* (marriage). People do not know everything. The human beings do not know it in the history. The writers of scriptures do not know everything. The writers of scriptures do not know many things at all. It is Baba who has come and told us children that the marriage of Radha and Krishna takes place. The issue of *swayamwar* does not pertain to the Golden Age. That issue of choosing one's partner (*swayam varan*) pertains to the present time of the Confluence Age.

समय– 20.00–21.98
जिज्ञासु– और एक और प्रश्न जो विदेशियों का ये है कि भारत सबसे गरीब बनता है ऐसा मुरलियों में आया है। लेकिन वास्तव में अभी की परिस्थितियों के अनुसार हम देखें तो भारत तो काफी उन्नत है। और अफ्रीका के देश....।
बाबा– माना शूटिंग का कार्य आगे नहीं बढ़ा है? शूटिंग के हिसाब से पूछ रहे हैं या वैसे पूछ रहे है?
जिज्ञासु– नहीं वैसे मतलब 5000 साल के ड्रामा के हिसाब से जो है.....
बाबा– अंतिम 2500 साल में भारत सबसे गरीब नहीं बनता है? विदेशियों से भीख नहीं लेता है?
जिज्ञासु– वो तो लेता है।

बाबा– तो जब शुरूआत में भीख लेता है। बाद में आगे बढ़ता है। जब बाबा आ जाते हैं फिर भी पीछे रहेगा? हैं? बाबा आ जाते हैं, जब भगवान इस सृष्टि पर आ गया तो आगे बढ़ेगा या पीछे हटेगा?
जिज्ञासु– आगे बढ़ेगा।
Time: 20.00-21.98
Student: The foreigners have asked one more question, it has been mentioned in the *Murlis* that Bharat (Ram's soul) becomes the poorest one. But actually if we observe according to the present circumstances we find that India is in a progressed position. And the countries of Africa….
Baba: Does it mean that the task of shooting has not moved ahead? Are you asking from the point of view of the shooting or otherwise?
Student: No, I mean to say that from the point of view of 5000 years drama….
Baba: Doesn't India become poorest in the last 2500 years? Does he not seek alms from the foreigners?
Student: He does take.
Baba: So, when he seeks alms in the beginning, he progresses later on. Will he lag behind even after Baba comes? Hum? When Baba arrives, when God came in the world, will he progress or move backwards?
Student: He will progress.

बाबा– सन छत्तीस में दुर्गति थी। विदेशियों का शासन था। सैंतालीस तक भी रहा। तब गरीब था। दास–दासी था। अब हमेशा दास–दासी ही बना रहेगा क्या? बेगर टू प्रिंस नहीं बनेगा।
जिज्ञासु– बनेगा।
बाबा– हैं? शूटिंग पीरियड़ में भी ऐसे ही होता है। 75–76 में गरीब, बेगर। फिर हमेशा बेगर ही रहेगा क्या? 5 इयर प्लैन पूरा नहीं होता है?
जिज्ञासु– होता है।
बाबा– तो बेगर रहेगा फिर 5 इयर प्लैन पूरा होने के बाद? वो गवर्नमेंट के 5 इयर प्लैन तो ऐसे ही चलते रहते हैं। फिर भी उनमें तरक्की तो हो रही है ना। ऐसे ही यहां भी है।
Baba: He was in state of degradation in 1936. There was a rule of the foreigners. It (the rule of the foreigners) continued even upto 1947. He was poor at that time. He was a servant. Well, will he remain a servant forever? Will he not transform from a beggar to a Prince?
Student: He will.
Baba: Hum? It happens like this even in the shooting period. He was a poor, beggar in 1975-76. Then, will he remain a beggar always? Doesn't the 5-year plan complete?
Student: It does.
Baba: So, will he remain a beggar after the completion of the 5-year plan? The 5-year plans of the (worldly) Government simply keep continuing. Even so, progress is taking place through it, isn't it? It is a similar case here.

समय– 21.41
जिज्ञासु– कुछ विदेशियों का ये भी प्रश्न है कि दुनिया में कुछ ऐसे भी धर्म हैं जिनको फालो करने वाले लाखों करोड़ों लोग हैं लेकिन उनको कल्प वृक्ष में नहीं दिखाया गया है।
बाबा– वो हैं किसके फालोवर्स? उनकी शुरूआत, ओरिजिन कहां से है? ओरिजिन तो सभी धर्मों की 4 ही मुख्य धर्मों से है।
जिज्ञासु– हां जी। निकले तो इन्हीं में से हैं।

बाबा– जो विदेशी हैं उनमें तीन ही मुख्य हैं इस्लामी, बौद्धी, क्रिश्चियन। उन्हीं से तो निकले हैं। बाहर से कहां से निकले हैं।
Time: 21.41
Student: Some foreigners also have a question that there are some such religions in the world as well, which have lakhs and crores (millions and billions) of followers but they have not been shown in the (picture of) 'Kalpa Tree'.
Baba: Whose followers are they (the followers of other religion)? From where have they begun, originated? The origin of all the religions is from four main religions only.
Student: Yes. They have certainly emerged from them.
Baba: Among the foreign religions, there are three main (religions) – Islam, Buddhist, Christian. They (i.e other religions) have emerged just from them. Have they emerged from anywhere else?

समय– 22.20–24.14
जिज्ञासु– और एक और प्रश्न ये आया है कि एड़वांस नालेज को गीता ज्ञानामृत कहा जाता है। तो फिर इसमें जो है कृष्ण वाली आत्मा इंटरफियर क्यों करती है?
बाबा– वहां इंटरफियर, बेसिक नालेज में इंटरफियर नहीं करती थी?
जिज्ञासु– वो तो करती थी।
बाबा– बेसिक नालेज में इंटरफियर करती थी। यहां भी इंटरफियर करती है। क्या, बड़ी बात क्या है?
जिज्ञासु– लेकिन वो।
बाबा– वहां निराकार का बच्चा था। यहां तो साकार का बच्चा है। बाप भी साकार में है। कृष्णवाली आत्मा निराकारी स्टेज में है। आकारी स्टेज में है।
जिज्ञासु– लेकिन वो कब तक इंटरफियर करती रहेगी?
बाबा– जब तक संपन्न बीज रूप स्टेज धारण नहीं करेगी तब तक इंटरफियर करती रहेगी।
Time: 22.20-24.14
Student: Furthermore, one more question that has emerged is, the advance knowledge is called the nectar of knowledge of Gita *(Gita gyanamrit)*. Then why does the soul of Krishna interfere in it?
Baba: Did he not interfere there, in the basic knowledge?
Student: He used to interfere.
Baba: He used to interfere in the basic knowledge. He interferes here too. What is the big deal in it?
Student: But it…
Baba: There (in the basic knowledge), he was a child of the incorporeal one. Here he is a child of the corporeal one. The father is in the corporeal form as well. The soul of Krishna is in an incorporeal stage. He is in a subtle stage.
Student: Up until when will He continue to interfere?
Baba: Until He does not attain the complete seed-form stage, he will continue to interfere.

जिज्ञासु– तो जब वो इंटरफियर कर रही है तब भी क्या इस एड़वांस नालेज को सच्चा गीता ज्ञानामृत कहा जायेगा?
बाबा– इंटरफियर कर रही है तो क्यों नहीं कहा जायेगा? क्या वो स्टूडेन्ट नहीं है? माना स्टूडेन्ट अगर कोई नालेज को नहीं मानता है तो ज्ञान झूठा हो जाता है? हैं?
जिज्ञासु– नहीं।
बाबा– फिर? और यहां मुख्य स्टूडेन्ट्स तो दो है। रामवाली आत्मा भी तो स्टूडेन्ट है।
जिज्ञासु– हां जी।

बाबा– एक का अंधे धृतराष्ट्र का पार्ट है एक का साकार में पांडु का पार्ट है। तो ज्ञान लेने में अंतर पडेगा ना।
Student: So, even when he is interfering, will this advance knowledge be called the true nectar of knowledge of the Gita?
Baba: Even if he (i.e. soul of Krishna) is interfering, why will it (the advance knowledge) not be called (nectar of knowledge)? Is he (Brahma Baba) not a student? Does it mean that if a student does not accept the knowledge, the knowledge becomes false? Hum?
Student: No.
Baba: Then? And here, there are two main students. The soul of Ram too is a student.
Student: Yes.
Baba: One plays the part of the blind *Dhritarashtra* (father of *Kauravas* in the Mahabharata epic) and the other plays the part of *Pandu* (father of *Pandavas*) in the corporeal form. So, there will be a difference in obtaining knowledge, won't there ?

समय– 24.15–25.20
जिज्ञासु– और एक और प्रश्न ये है कि यहां द्वापर कलियुग में तो स्त्री और पुरूष दोनों के शरीरिक ताकत में फर्क होता है। स्त्री को अबला कहा जाता है। लेकिन बाप तो आ करके सबको समान बनाते हैं। तो सतयुग त्रेतायुग में क्या स्त्री और पुरूष दोनों की शरीरिक ताकत भी एक समान होगी या अलग–अलग होगी?
बाबा– बिल्कुल होती है, समान ही होती है। स्त्री पुरूष में थोड़ा अंतर रहता है क्योंकि वो रचना है वो रचयिता है। फाउन्डेशन संगमयुग में पड़ता है।
Time: 24.15-25.20
Student: One more question is that, here in the Copper Age and the Iron Age, there is a difference between the physical power of a female and a male. A woman is said to be weak *(abala)*. But the Father comes and makes everyone equal. So, in the Golden Age and the Silver Age, will the females and males have equal power or will there be a difference?
Baba: It definitely remains equal. But there is a slight difference between a woman and a man. She is the creation and he is the creator. The foundation is laid in the Confluence Age.

जिज्ञासु– माना अंतर रहेगा जरूर।
बाबा– थोड़ा अंतर रहेगा। जैसे लक्ष्मी को थोड़ा छोटा दिखाया गया है। नारायण को बड़ा दिखाया गया है। राधा को थोड़ा छोटा दिखाया गया है लक्ष्मी नारायण के चित्र में। कृष्ण को थोड़ा बड़ा दिखाया गया है। शारीरिक और मानसिक स्टेज जो है वो फाउन्डेशन कहां पड़ता है उसका?
जिज्ञासु– संगमयुग में।
बाबा– संगमयुग में फाउन्डेशन पड़ रहा है।
Student: It means, there will definitely be a difference.
Baba: There will be a little difference. Just as Lakshmi has been shown to be shorter (than Narayan), Narayan has been shown to be taller (than Lakshmi). Radha has been shown to be a little shorter (than Krishna) in the picture of Lakshmi-Narayan. Krishna has been shown a little taller (than Radha). Where is the foundation of the physical and the mental stage laid?
Student: In the Confluence Age.
Baba: The foundation is being laid in the Confluence Age.

समय– 25.23–26.15
जिज्ञासु– और एक अभी हाल में किसी बी.केज द्वारा प्रकाशित साकार मुरली में मैंने ये पढ़ा था कि सूर्यवंशियों की ड्रेस जो है पीताम्बर होती है।

बाबा – अच्छा।
जिज्ञासु – तो इसका क्या बेहद में अर्थ है या स्थूल में ही वहां पीताम्बर, पीले रंग?
बाबा– पीला रंग जो है वो बसंत ऋतु को दिखाता है। बसंत ऋतु का सूचक है। और बसंत ऋतु में चारों ओर पीला–पीला रंग ही हो जाता है। पीले ही पीले फूल चारों तरफ दिखाई पड़ते है। तो सतयुग में पीला रंग दिखायेंगे ना। शूटिंग तो संगमयुग में है।
Time: 25.23-26.15
Student: In addition, in some *Sakar Murli* published by the BKs recently, I have read that the dress of the *Suryavanshis* (those of the Sun dynasty) is *peetambar* (yellow dress).
Baba: Alright.
Student: So, does it mean anything in an unlimited sense or will yellow dresses be worn there in a physical form?
Baba: The yellow colour indicates the spring season. It is a symbol of the spring season. Moreover, during the spring season, we can see only yellow colour (in the nature) everywhere. More and more of yellow flowers are visible everywhere. So, yellow colour will be depicted in the Golden Age, won't it? The shooting takes place in the Confluence Age.

समय– 26.15–27.55
जिज्ञासु– और एक और इसी साल की मुरली में आया था कि जब बाप चला जावेगा तो तुम आँसू बहायेंगे। तो क्या बच्चों को ये पता पड़ जायेगा कि शिवबाबा चले गये हैं?
बाबा– धर्मराज का पार्ट जो शुरू हो जायेगा।
जिज्ञासु– अच्छा, तब पता पड़ जायेगा।
बाबा– पता नहीं चलेगा? (बाबा हंसे)
जिज्ञासु– माने शिवबाबा के जाने के बाद....
Time: 26.15-27.55
Student: And it was mentioned in another *Murli* of this year: when the Father goes away, you will shed tears. So, will children come to know that Shivbaba has left?
Baba: Because, the part of *Dharmaraj* will begin.
Student: Alright, then we will come to know (that Shivbaba has left).
Baba: Will you not come to know? (Baba laughed)
Student: It means, after Shivbaba leaves….

बाबा– शिवबाबा के साथ धर्मराज नहीं बैठा हुआ है? हैं? अभी तो उसकी आँखे नहीं खुली हुई है। बंद आँखे करके बैठा हुआ है। अंधे धृतराष्ट्र का पार्ट बजा रहा है। अंधा ही बना रहेगा क्या? हैं? आँखे खुलेंगी कि नहीं खुलेंगी? कि दोस्त कौन है और दुश्मन कौन है हमारा?
Baba: Is *Dharmaraj* not sitting with Shivbaba? Hum? Now his eyes have not opened. He is sitting with his eyes closed. He is playing the part of blind *Dhritarashtra* (the father of *Kauravas*). Will he continue to remain blind? Hum? Will his eyes open or not (to see), who my friend is and who is my enemy?

जिज्ञासु– तो ये निशानी होगी कि शिवबाबा चले गये है?
बाबा– हां। शिवबाबा तो प्यार का सागर है। सत्तर साल हो गये वो ही बातें रिपीट करते–करते बच्चे ऐसा करो, ऐसा करो, ऐसा करो। और बच्चे? मान रहे है?
जिज्ञासु– ना।
बाबा– मनमानी कर रहे हैं। मनमानी करते हैं। मनुष्यों की मत पर चलते हैं। बाबा की बेइज्जती नहीं होती है इससे?
जिज्ञासु– होती है।

बाबा– इसलिये बोला – धर्मराज भी मेरे साथ है।
Student: So, will this be an indication that Shivbaba has left?
Baba: Yes. Shivbaba is an ocean of love. Seventy years have passed repeating the same things: Children, do like this, do like this, do like this. And what about the children? Are they accepting (His versions)?
Student: No.
Baba: They are acting according to their whims and fancies. They act according to their whims and fancies. They follow the opinion of the human beings. Does it not cause Baba's insult?
Student: It does.
Baba: That is why it has been said, "*Dharmaraj* too is with me".

जिज्ञासु– लेकिन एक अभी मुरली में मैंने देखा कि प्रजापिता को ही धर्मराज भी कहा गया है, प्रजापिता को।
बाबा– तन तो एक ही है राम कृष्ण का कि तन अलग–अलग है?
जिज्ञासु– तन तो एक ही है। लेकिन पार्ट कृष्ण वाली आत्मा का है।
बाबा– हांजी।
Student: But now in a *Murli* I saw that Prajapita himself is called *Dharmaraj* as well.
Baba: Is the body of Ram and Krishna the same or different?
Student: (At present) the body is the same. But the part (of *Dharmaraj*) is of the soul of Krishna.
Baba: Yes.

समय– 27.56–29.02
जिज्ञासु– और दुनिया में जो है चीन की दीवार को सबसे बड़ी दीवार माना जाता है।
बाबा– हां।
जिज्ञासु– तो इसकी शूटिंग कैसे होती है?
Time: 27.56-29.02
Student: And the wall of China is considered to be the longest wall in the world.
Baba: Yes.
Student: So, how does the shooting for this take place?

बाबा– दीवारें किसलिये बनाते हैं?
जिज्ञासु– वो तो अपनी रक्षा के लिये मानके उन्होने बनाया है।
बाबा– हां। इसलिये मुसलमानों ने अपनी रक्षा के लिये ये दीवाल मस्जिदों में खड़ी करना शुरू कर दिया। चीन वालों ने जो क्रिश्चियनिटी है और ये क्या नाम है?
जिज्ञासु– बौद्ध धर्म।
बाबा– बौद्ध, हां, उसको सुरक्षित करने के लिये दीवाल खड़ी कर दी।
जिज्ञासु– चीन में भी सबसे पहले तो शुरूआत में मुसलमान धर्म ही था। बाद में बौद्ध।
बाबा– बौद्धी धर्म बाद में फैला ना। इस्लाम धर्म के बाद, ही तो बौद्धी आये ना। तो बौद्धियों का धर्म ज्यादा फैल गया।
Baba: Why are walls built?
Student: They have constructed it for their defence.
Baba: Yes. That is why Muslims started building walls for their defence in the mosques. The Chinese…. the Christians…. and what is the other name?
Student: Buddhism.
Baba: Buddhists, yes; they built the wall for their safety.

Student: Even in China, in the beginning there was Muslim religion at first. Later on Buddhism…
Baba: Buddhism spread later on, didn't it? Buddhists came only after Islam, didn't they? So, the religion of the Buddhists spread more.

समय– 29.04–30.20
जिज्ञासु– और ये भी पढ़ने में आया है कि जापान, जापानी लोग भी स्वयं को सूर्यवंशी मानते हैं। लेकिन वो हैं तो विदेशी।
बाबा– अभी विदेशी हैं।
जिज्ञासु– वो फिर वो कैसे अपने को सूर्यवंशी मानते है? और भी एक–दो देश हैं जहां मतलब अपने को सूर्यवंशी मानते है।
Time: 29.04-30.20
Student: And I have also read that Japan, the Japanese people consider themselves to be *Suryavanshis* (belonging to the Sun dynasty). But they are foreigners.
Baba: They are foreigners now.
Student: Then how do they consider themselves as *Suryavanshis*? There are one or two other countries where they consider themselves to be *Suryavanshis.*

बाबा– जो बौद्धी लोग हैं वो ज्यादा बुद्धिमान हैं या इस्लामी, क्रिश्चियन ज्यादा बुद्धिमान हैं?
जिज्ञासु– बौद्धी ज्यादा बुद्धिमान हैं।
बाबा– तो जो बुद्धिमानों का देश है वो स्पेशल चीन ही है ना। हां, चीन के पास ही जापान है। वो समुद्र से घिरा हुआ है। सागर से घिरा हुआ है। हां, चीन के एक साइड में ही समुद्र है। लेकिन जापान तो चारों ओर घिरा हुआ है सूर्य से। तो जापानी लोग, चीन के लोग नहीं, जापानी लोग अपने को सूर्यवंशी कहते हैं।
जिज्ञासु– हां जी।
बाबा– और सूर्य निकलता भी है पूरब दिशा से।
जिज्ञासु– हां ये माना भी जाता है कि पहले जापान में ही सूरज उगता है।
बाबा– हां, सबसे पहले सूर्य की जो किरणें पड़ती हैं वो जापान में पड़ती है क्योंकि ईषाण कोण से सूरज उदय होता है। प्रैक्टिकल में भी ऐसे ही है। शूटिंग पीरियड़ में भी ऐसे ही है।
Baba: Are the Buddhists more intelligent or are the people of Islam, the Christians more intelligent?
Student: The Buddhists are more intelligent.
Baba: So, China is especially the country of the intelligent ones, isn't it? Yes, Japan is close to China. It is surrounded by the ocean. Yes, there is ocean on only one side of China, but Japan is surrounded by Sun. So, it is the Japanese people, and not the Chinese people who call themselves as *Suryavanshis.*
Student: Yes.
Baba: And after all Sun rises from East.
Student: Yes, it is also believed that the Sun rises first in Japan.
Baba: Yes, the Sun-rays fall first of all on Japan because the Sun rises from the Eastern side (*Ishaan kon)*. Even in practical, it is the same case. It is the same in the shooting period too.

समय– 30.21–32.20
जिज्ञासु– और एक और प्रश्न ये है कि त्रेतायुग का नाम जो है संख्या के आधार पर क्यों पड़ा है? जैसे बाकी सब युग है। द्वापरयुग के लिये कहा गया है कि वो दो पुर जबसे हो

जाते हैं तो द्वापर हो गया या कलह कलेश का युग है तो कलियुग हो गया और सत्य का युग जो है सतयुग हो गया। वैसे, त्रेता का किस आधार पर नाम पड़ा है?
Time: 30.21-32.20
Student: And one more question is, why is the name *Tretayug* (Silver Age) based on number? Just as there are the other Ages. It has been said for *Dwaparyug* (the Copper Age) that *Dwapar* started when two abodes were established or it is *Kaliyug* (the Iron Age) when there is the Age of quarrels and fights and the Age of Truth is *Satyug* (the Golden Age). Similarly, on what basis is Tretayug (the Silver Age) named?

बाबा– जो सतयुग की स्थापना होती है वो सिर्फ एक ही मत से होती है। आदि की। सतयुग आदि का 16 कला सम्पूर्ण वाला जन्म है। संगमयुगी, जो संगमयुगी स्वर्णिम बेला है। वो एक के डायरेक्शन के आधार पर होता है। फिर ब्रह्मा जो है, वो ब्रह्मा के आधार पर चलने वाले सात नारायण और निकलते है जो ब्रह्मा की गोद में पलते हैं। उस आधार पर वो सतयुग की स्थापना चलती रहती हैं फिर ये नारायणों का राज्य खत्म हो गया। नारायणों का राज्य पूरा होने के बाद फिर तीनों आत्मायें, ब्रह्मा, विष्णु, शंकर। इन तीनों की मत की शूटिंग शुरू हो जाती है। ब्रह्मा की आत्मा भी 100 साल पूरे कर लेती है। द्वापरयुग की शूटिंग से पहले। और विष्णु की आत्मा भी साथ में है क्योंकि वो ब्रह्मा सो विष्णु बनता है। और शंकर वाली आत्मा भी है। तो तीनों का मिक्स हो जाता है मत। इसलिये त्रेता कहा जाता है।
Baba: *Satyug* (Golden Age) of the beginning is established only through one opinion. It is the birth in the beginning of the Golden Age, which is perfect in 16 celestial degrees. The golden period of the Confluence Age is based on the directions of one. Then seven more Narayans, who are the ones who follow Brahma, emerge who sustain in the lap of Brahma. On that basis, the establishment of the Golden Age continues. Then the kingdom of these Narayans ended. After the end of the kingdom of Narayans; all the three souls – Brahma, Vishnu, Shankar… the shooting of the opinion of these three starts. The soul of Brahma also completes 100 years before the shooting of the Copper Age. And the soul of Vishnu is accompanying him as well because Brahma becomes Vishnu. And the soul of Shankar is also there. So, the opinion of all the three is mixed up. That is why it is called *Treta* (three).

समय– 32.26–34.18
जिज्ञासु– और एक और प्रश्न डिस्कशन के आधार पर ये आया है कि मुरली में आया है कोई–कोई आत्मा के 50 वर्ष कम हो जाते हैं। तो पहले तो ये समझा जाता था कि ये ब्रह्मा बाबा वाली आत्मा के लिये कहा गया है। कि 69 में शरीर छोड़ती है फिर 2018 में जन्म ले लेगी करके पहले ये सोचते थे। लेकिन अब तो ये बताया जा रहा है कि 2018 में उनका स्थूल जन्म नहीं होगा। तो फिर ये जो 50 वर्ष कम हो जाते हैं कहा गया है। तो ये किस आत्मा के लिये कहा गया है?
Time: 32.26-34.18
Student: And one more question has emerged on the basis of discussion: it has been mentioned in a *Murli* that the part/role of some souls are reduced by 50 years. So, earlier it was thought, this has been said for the soul of Brahma Baba that he leaves its body in (19)69 and then he will take birth in 2018. But now it is being said that he will not take physical birth in 2018. So, for whom has this been said that 50 years are reduced?

बाबा– उनके संस्कार, कृष्ण वाली आत्मा के संस्कार, रामवाली आत्मा के संस्कार मिल करके अठारह में एक हो जाते हैं। मतलब विष्णु जो है वो 18 में प्रत्यक्ष होना है। तो दानों आत्माओं के संस्कार भी मिलकरके एक होने है। तो जो संस्कार मिल करके एक हो जाते है

तो शरीर भी तो एक चाहिये पार्ट प्ले करने के लिये। तो एक ही शरीर है, 18 के बाद। रामवाली आत्मा भी बीज रूपी स्टेज में कृष्णवाली आत्मा भी बीजरूपी स्टेज में। दोनों के द्वारा पार्ट चलता है।
Baba: The *sanskars* of both of them, the *sanskars* of the soul of Krishna and the *sanskars* of the soul of Ram combine to become one in 2018. It means, Vishnu is to be revealed in (20)18. So, the *sanskars* of both the souls have to combine together to become one as well. So, when the *sanskars* combine to become one, then to play the part the body should also be one. So, after (20)18 the body is the same. The soul of Ram as well as the soul of Krishna will be in a seed-form stage. The part is played through both of them.

जिज्ञासु– तो ये जो कहा गया है.....
बाबा– इसलिये कम्बाइंड बापदादा कहा जाता है। उसमें राम वाली आत्मा भी कम्बाइंड है कृष्णवाली आत्मा भी कम्बाइंड है। तुम बच्चे दोनों को अलग–अलग करेंगे वो फिर मिल करके एक हो जावेंगे। लड़ाई करते हैं रामकृष्ण के फालाअर्स। धूप नहीं लेने देते।
जिज्ञासु– तो ये जो कहा गया है (कि) 50 वर्ष कम हो जाते हैं, ये कृष्ण वाली आत्मा के लिये ही कहा गया है?
बाबा– और भी आत्मायें हैं। कोई कृष्ण वाली आत्मा अकेली थोडे ही है।
Student: So, whatever that has been said…
Baba: That is why, it is said 'combined Bapdada'. In that (one body) the soul of Ram as well as the soul of Krishna is combined. You children will separate both of them and they will combine again to become one. The followers of Ram and Krishna fight (for no reason). They do not allow each other to even smell the fragrance of *dhoop* (incense).
Student: So, the statement that has been said: 50 years are reduced, has it been said only for the soul of Krishna?
Baba: There are other souls too. It is not just for the soul of Krishna.

समय– 34.20–37.22
जिज्ञासु– और एक प्रश्न ये बी.के. इन्फो पे विदेशियों द्वारा बार–बार` पूछा जाता है कि पहले तो मुरलियों में आता था 500 करोड़, फिर अब जो है जनसंख्या हो गई है 700 करोड़ तक। तो उसका हमने तो एड़वांसड़ नालेज के आधार पर ये बताया है कि जो 200 करोड़ हैं वो मनन–चिंतन–मंथन करनेवाली आत्मायें नहीं है। वो मच्छरों सदृश वापस जाने वाली आत्मायें हैं। तो उनको इस बात से बुरा लगता है कि जो अभी 700 करोड़ आत्मायें हैं उनमें से आप 200 करोड़ आत्माओं को मच्छरों सदृश बोल देते हो।
Time: 34.20-37.22
Student: And another question that is repeatedly asked by the foreigners on BKInfo is that earlier 500 crores (5 billion) used to be mentioned in the *Murlis* (as the total world population). But now the population has reached 700 crores (7 billion). So, on the basis of the advance knowledge we have told them that the 200 crores (2 billion) (over and above the 500 crores) are the souls that do not think and churn. They are the souls who will return (to the soul world) like mosquitoes. So, they feel bad that among the 700 crore (7 billion) souls that exist now, you term 200 crores to be like mosquitoes.

बाबा– तो? हैं नहीं ऐसी? भगवान को पहचानती हैं क्या? भगवान के ज्ञान को स्वीकार करती हैं क्या?
जिज्ञासु– स्वीकार तो नहीं करती।
बाबा– नहीं करती हैं तो मच्छरों सदृश है ना।
जिज्ञासु– लेकिन अभी जो............................

बाबा– मनुष्य तो नहीं हैं कम से कम। जानवर होंगे।
जिज्ञासु– लेकिन वो कहते हैं कि जो....।
Baba: So what? Are they not like that? Do they recognize God? Do they accept God's knowledge?
Student: They certainly do not accept it.
Baba: If they do not (accept) it then they are like mosquitoes, aren't they?
Student: But now…
Baba: At least they are not human beings. They must be animals.
Student: But they say that those….

बाबा– जो कहते हैं वो ये पक्का करें कि हम वो ही कीड़े मकोड़े वाली आत्मा हैं, ये कैसे साबित करेंगे? वो नेगेटिविटी अपने अंदर लाते क्यों हैं? वो ये क्यों नहीं सोचते कि हम तो सतयुग त्रेता की आत्मा हैं?
जिज्ञासु– वो ये कह रहे हैं कि आप हमारा अपमान कर रहे हो।
बाबा– निगेटिविटी। अपमान की बात तो तब पैदा होती है जब तुम पहले साबित करके दिखाओ कि हम यही आत्मा है। अरे राम–कृष्ण वाली आत्मायें भी तो अभी साबित नहीं कर पा रही हैं अपने आपको। जगदम्बा वाली आत्मा भी अपने को साबित नहीं कर पा रही है। सात नारायण भी सारा ज्ञान प्रत्यक्ष होते हुये भी अपने पार्ट को अभी स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। तुमको अपनी आत्मा का ज्ञान कैसे हो गया कि हम लास्ट वाली आत्मा हैं?
Baba: Those who say like this should prove that they are those very insects and spider like souls (last 200 crore human souls). How will they prove this? Why do they bring the negativity in themselves? Why don't they think that they are souls from the Golden Age and the Silver Age?
Student: They are saying: you are insulting us (by calling us mosquitoes).
Baba: (It is) Negativity. The question of insult arises when first of all they prove that they are these (insects and spiders like) souls. Arey, even the souls of Ram and Krishna are unable to prove themselves now. The soul of *Jagdamba* too is unable to prove herself. Even though the entire knowledge is revealed, the seven Narayans are unable to accept their parts. How did they come to know about their souls that they are the last souls?

जिज्ञासु– वो भी...............
बाबा– वाह भैया, जबरदस्ती है क्या? अपमान थोपने वाली बात है। पहले अपने को साबित तो करो कि हम लास्ट वाली आत्मा हैं। साबित किया नहीं और ऐसे ही जबरदस्ती। हमारा अपमान कर दिया।
जिज्ञासु –एक और प्रश्न ये है कि भक्तिमार्ग में कई ऐसे हैं जो..............
बाबा – उन आत्माओं को तो अपनी अनुभूति तब होगी जब 500 करोड़ को अनुभूति हो जायेगी अपने स्वरूप की।
जिज्ञासु– तब वो बाकी 200 करोड़..........................
Student: They too…
Baba: Very good brother, is it compulsory? (They are deliberately) imposing the charge of insult (on us). First of all, they should prove that they are among the last (ranked) souls. They haven't proved and they are simply charging us of having been insulted by us.
Student: And one more question is, in the path of devotion there are many such who……….
Baba: Those souls will realize themselves (their part) when the 500 crores have realized their form.
Student: Then the remaining 200 crores (will realize their form).

बाबा– दुनिया में भी जो बड़े भाई होते हैं वो छोटे भाइयों को थपडयाते रहते हैं। अपमान हो गया ये? थपडयाते रहते हैं कि नही?
जिज्ञासु– मारते तो हैं। कोई गलती करते हैं तो।
बाबा– हां, फिर? बड़ा भाई बाप समान कहा जाता है। अपमान महसूस हो रहा है। कर्म ऐसे करो। बडे भाई बनो।
Baba: Even in the world the elder brothers keep slapping the younger brothers. Is it an insult? Do they keep slapping or not?
Student: They do slap, if someone commits a mistake.
Baba: Yes, then? Elder brother is said to be equal to the father. They are feeling insulted. (If they are feeling insulted then) Perform such (worthy) actions (and) become elder brothers.

समय– 37.24–38.45
जिज्ञासु– एक और प्रश्न ये कि भक्तिमार्ग में कई ऐसे लोग है जो बिल्कुल दिल से भक्ति करते हैं, नियमपूर्वक और उनकी धारणा भी बहुत अच्छी है। जैसे कई हैं जो बिल्कुल मतलब अमृतवेला उठ के मंदिर जाते हैं, भक्ति करते हैं।
बाबा–हैं।
जिज्ञासु– जबकि ज्ञान में चलने वाले कई ऐसे है जो न अमृतवेला करते हैं न क्लास करते हैं। न ही उनकी धारणा अच्छी है। तो दोनों में से किनको अच्छा कहेंगे? भक्ति वालों को या................?
बाबा– जो तुरंत के उतरे हुये परमधाम से नीचे आये हैं वो सतोप्रधान होंगे या जो 5000 वर्ष पहले नीचे आये थे सृष्टि पर वो सताप्रधान होंगे?
जिज्ञासु– जो अभी–अभी आये है।
Time: 37.24-38.45
Student: One more question is that in the path of devotion, there are many such people who perform *bhakti* from their hearts in accordance with the rules and their *dhaarna* (inculcation) is very good as well. Like there are many who wake up at *amritvela* (before dawn) and go to the temple and do *bhakti*.
Baba: Hum.
Student: Whereas among those who follow the knowledge, there are many such people who neither do *amritvela* nor attend class, nor is their *dhaarna* (inculcation) good. So, who will be said to be better between them? Will they be those doing *bhakti* or…?
Baba: Will those who have recently descended from the Supreme Abode be *satopradhan* (consisting mainly in the quality of goodness and purity) or those who had come down to the world 5000 years ago be *satopradhan*?
Student: Those who have come just now (from the Supreme Abode).

बाबा– प्रश्न ख्त्म हो गया। किसको श्रेष्ठ कहेंगे आप? जो सृष्टि रूपी रंगमंच पर 5000 वर्ष पहले नीचे उतरे थे और देवता थे, 16 कला संपूर्ण थे वो ऊँचे हैं या जो ये अभी अभी उतर रहे हैं, अभी–अभी भक्ति कर रहे हैं, व्यभिचारी भक्ति कर रहे हैं वो श्रेष्ठ हैं? किसको श्रेष्ठ कहेंगे?
जिज्ञासु– अभी के हिसाब से......................
बाबा– प्रश्न करनेवालों की आत्मिक स्थिति तो रहती नहीं है। आत्मिक स्वरूप में दूसरों को देखते नहीं हैं। देहभान में रह करके प्रश्न कर रहे हैं तो सारे उल्टे–उल्टे प्रश्न आते हैं।
Baba: The question itself has ended. Whom will you term greater? Are those, who had descended on the stage-like world 5000 years ago and were deities, were perfect in 16 celestial degrees, greater or those who are just descending, doing *bhakti* just now, doing adulterated *bhakti* , greater? Who will be called greater?

Student: From the present point of view……………………..
Baba: Those who raise questions do not remain in soul conscious stage. They do not see others in a soul conscious form. They are raising questions while being in body consciousness. So, all the questions that emerge are opposite.

समय– 38.51–39.50
जिज्ञासु– और किसी पी.बी.के. ने ये प्रश्न पूछा है कि एक वी.सी.डी. 287 में कहा गया है कि झूठै लेना, झूठै देना, झूठै भोजन, झूठै चबैना।
बाबा– झूठ चबैना।
जिज्ञासु– क्या इसकी शूटिंग बीजरूपी दुनिया में भी होगी?
बाबा– क्यों नहीं होगी? बीजरूप में जो नहीं होगा वो दुनिया में भी नहीं होगा। जो बीजरूप में होगा वो सारी दुनिया में होगा। अच्छे से अच्छे देखना हो तो यहां देखो। और बुरे से बुरा देखना हो तो यहां देखो।
Time: 38.51-39.50
Student: And a PBK has raised a question that in VCD.No.287 it has been said, *'jhoothai lena, jhoothai dena, jhoothai bhojan, jhoothai chabaina.'* (whatever we take is false, whatever we give is false, whatever we eat is false, whatever we chew is false)
Baba: *Jhooth chabaina* (whatever we chew is false)
Student: Will this shooting take place in the seed-form world too?
Baba: Why not? Whatever does not happen in the seed-form (world) will not happen in the (outside) world either. Whatever happens in the seed-form world will happen in the entire world. If you want to see the best, look here (in the Brahmin world). And if you want to see the worst, look here (in the Brahmin world).

जिज्ञासु– बाबा उनका ये प्रश्न है कि जब शिवबाबा यहां डायरेक्ट पालना दे रहे हैं..................
....
बाबा– तो?
जिज्ञासु– तो फिर ऐसी....................
बाबा– शिवबाबा डायरेक्ट पालना दे रहे हैं तो शिवबाबा के बच्चे अच्छे–बुरे नहीं होते हैं? शिवबाबा के स्टूडेन्ट अच्छे और बुरे, दोनों तरीके के नहीं होते हैं? स्टूडेंट्स अच्छे से अच्छे भी होते हैं खराब से खराब भी होते हैं। बच्चे अच्छे से अच्छे भी होते हैं, खराब से खराब भी होते हैं। तो सारी दुनिया के बीज हैं तो बीजों में तो हर प्रकार के बीज चाहिये ना।
जिज्ञासु– हां जी।
Student: Baba, their question is, when Shivbaba is giving direct sustenance here…
Baba: So?
Student: So, then such…
Baba: If Shivbaba is giving direct sustenance, then aren't Shivbaba's children both good and bad? Are Shivbaba's students not of good and bad types? There are best as well as worst students. There are best as well as worst children. So, when they are the seeds of the entire world, there should be every kind of seed among the seeds, shouldn't there?
Student: Yes.

समय– 39.54–40.40
जिज्ञासु– और एक और प्रश्न ये है कि बाप, टीचर, सद्गुरू तीनों का पार्ट एक ही रथ द्वारा चलता है। ये ऐसा मुरली में आया है।
बाबा– ठीक है।
जिज्ञासु– लेकिन क्या ये एक ही समय पर चलता है या अलग–अलग समय पर चलता है?

बाबा– अलग–अलग ही होगा ना। टीचर का पार्ट 76 से पहले था क्या? एक समय कैसे हुआ?
Time: 39.54-40.40
Student: Another question is, the part of father, teacher and *sadguru* is played through the same chariot. It has been mentioned in the *Murli* like this.
Baba: It is correct.
Student: But is it played at the same time or at different times?
Baba: It will certainly be at different times, won't it? Was there the teacher's part before 1976? How can it be at the same time?

जिज्ञासु– तो क्या ऐसा भी एक टाइम आयेगा संगमयुग में जब ये तीनों पार्ट एक साथ भी बजाये जायेंगे?
बाबा– बाप तो चला जायेगा – ये भी तो टाइम होगा।
जिज्ञासु– हां जी।
बाबा– हैं? फिर? टीचर का काम भी पूरा हो जायेगा। पढ़ाई पूरी हुई। अब खाओ सजा।
जिज्ञासु– सतगुरू का ही काम बचेगा।
बाबा– हां।
Student: So, will such time also come in the Confluence Age when all these three parts will be played simultaneously?
Baba: There will also be one such time when the Father will depart.
Student: Yes.
Baba: Hum? Then? The task of the teacher will also be over. Your study is over. Now suffer punishments.
Student: Only the task of the *Sadguru* will remain.
Baba: Yes.

समय– 40.45–44.10
जिज्ञासु– और एक और प्रश्न....
बाबा– इन प्रश्नों से एसा लगता है कि आत्माओं को थोड़ा–थोड़ा आभास होता जा रहा है कि हम किस किस्म की आत्मायें हैं? पक्की निश्चयात्मक बुद्धि नहीं है लेकिन अंदर से बिना प्रूफ और प्रमाण के भी स्वीकार कर रहे हैं। पूर्व जन्मों के संस्कारों के आधार पर।
Time: 40.45-44.10
Student: And another question…
Baba: It appears from these questions that the souls have started feeling, what kind of souls they are. They don't have a firm faithful intellect, but in their thoughts they are accepting even without proofs on the basis of the *sanskars* of their past births.

जिज्ञासु– और एक और प्रश्न ये आया था कि यदि राम वाली आत्मा ही संगमयुगी कृष्ण और संगमयुगी नारायण है।
बाबा– रामवाली आत्मा कहां है? राम वाली आत्मा राम वाली आत्मा रहती है, बाप का ही पार्ट बजाती है अंत तक। मनुष्य सृष्टि का बाप तो एक ही रहेगा या वो कृष्ण बन जायेगा? शरीर है एक। बापदादा का शरीर एक है लेकिन आत्मायें पार्ट बजाने वाली दोनों अलग–अलग हैं।
जिज्ञासु– तो संगमयुगी कृष्ण अलग है। संगमयुगी नारायण.........................

Student: And another question that was raised, if the soul of Ram himself is the Confluence Age Krishna and the Confluence Age Narayan…
Baba: Is it the soul of Ram? The soul of Ram remains the soul of Ram; it plays only the part of the father up until the end. Will the father of the human world remain only one or? The body is the same. Bapdada's body is one, but both the souls which play the part are different.
Student: So, the Confluence Age Krishna is different. The Confluence Age Narayan................

बाबा– कृष्ण की आत्मा अलग है। पर्सनाल्टी एक है। लेकिन आत्मायें अलग–अलग हैं पार्ट प्ले करने वाली। ऐसे नहीं कि प्रजापिता वाली आत्मा और शिव की आत्मा दोनों का पार्ट अलग–अलग नहीं है संगमयुग में। एक ही पार्ट है या अलग–अलग पार्ट है?
जिज्ञासु– अलग–अलग।
बाबा– पार्ट अलग–अलग है लेकिन शरीर?
जिज्ञासु– एक ही है।
बाबा– शरीर एक ही है। ऐसे ही कृष्ण वाली आत्मा भी ऐसी बीज रूपी स्टेज धारण कर लेगी, कि उसी साकार शरीर से पार्ट बजाती है। रामवाली आत्मा भी उसी साकार शरीर से पार्ट बजाती है।
Baba: The soul of Krishna is different. The personality is the samebut the souls that play the part are different. It is not that the part of the soul of Prajapita and the soul of Shiv is not different in the Confluence Age. Is the part same or different?
Student: It is different.
Baba: The part is different, but what about the body?
Student: It is the same.
Baba: The body is the same. Similarly, the soul of Krishna will also achieve such seed-form stage; that it plays the part through the same corporeal body. The soul of Ram also plays the part through the same corporeal body.

जिज्ञासु– तो कृष्ण वाली आत्मा ही संगमयुगी कृष्ण का भी पार्ट बजायेगी?
बाबा– बिल्कुल, आत्मा तो एक ही है, नहीं शरीर तो एक ही है आत्मायें दो हैं।
जिज्ञासु– और रामवाली आत्मा संगमयुगी नारायण बनेगी।
बाबा– ठीक है।
जिज्ञासु– तो उनका ये प्रश्न है कि जब संगमयुगी नारायण मतलब रामवाली आत्मा को संगमयुगी नारायण बनना है तो आदि में जो है शिव ने कृष्ण वाली आत्मा को नारायण का साक्षात्कार क्यों करवाया?
बाबा– क्योंकि बच्चा था। बच्चा बुद्धि है 63 जन्मों से। जो पवित्र आत्मायें होती हैं उनको साक्षात्कार कराया जाता है या जो चाणी बुद्धि वाली होती हैं उनको साक्षात्कार कराया जाता है?
जिज्ञासु– (जो) पवित्र आत्मायें हैं।
Student: So, will the soul of Krishna play the part of Confluence Age Krishna as well?
Baba: Definitely, the soul is the same; no, the body is the same, the souls are different.
Student: And the soul of Ram will become the Confluence Age Narayan.
Baba: It is correct.
Student: So, his question is, when the Confluence Age Narayan, i.e. the soul of Ram has to become the Confluence Age Narayan, then, why did Shiv have the soul of Krishna experience vision of Narayan in the beginning?
Baba: Because he was a child. He has been with a child-like intellect for 63 births. Are visions caused to the souls who are pure or are they caused to those who are more intelligent?

Student: (Those) who are pure souls.

बाबा– तो राम, कृष्ण दोनों आत्माओं में से महात्मा कौन है? बच्चा बुद्धि कौन है?
जिज्ञासु– कृष्ण वाली आत्मा।
बाबा– फिर? उसको साक्षात्कार होता रहा। जो ज्ञानी तू आत्मायें है उनको साक्षात्कार की क्या दरकार है? ज्ञानी तू आत्मा साक्षात्कार के ऊपर विश्वास करेगी?
जिज्ञासु– नहीं।
बाबा– स्वप्न और साक्षात्कारों की बातों को तो वो लोग मानते हैं जिनका अंधश्रद्धा, अंधविश्वास ज्यादा चलता रहा है 63 जन्मों में।
Baba: Who is *mahatma* (noble soul) between the souls of Ram and Krishna? Who is of a child-like intellect?
Student: The soul of Krishna.
Baba: Then? He continued to experience visions. There is no need of visions for the knowledgeable souls Will a knowledgeable soul believe in visions?
Student: No.
Baba: The people, who have been following blind faith more, for 63 births believe in dreams and visions.

समय– 44.15–45.20
जिज्ञासु– और एक और प्रश्न ये आया है कि कई संदेशों में ये आता है 1969 के बाद जो संदेश आये हैं गुलजार दादी के द्वारा या दूसरी संदेशियों के द्वारा कि सूक्ष्मवतन में हमने शिवबाबा और ब्रह्मा बाबा को देखा।
बाबा– हां।
जिज्ञासु– तो ब्रह्मा बाबा तो दादा लेखराज हो गये। और शिवबाबा को देखा तो वो किस स्वरूप को देखते हैं वो?
Time: 44.15-45.20
Student: And another question that has been asked is, it is mentioned in many (trance) messages which have been delivered after 1969 through *Gulzar Dadi* or other trance-messengers (*sandeshis*) that they saw Shivbaba and Brahma Baba in the subtle world.
Baba: Yes.
Student: So, Dada Lekhraj happens to be Brahma Baba. And when they saw Shivbaba; which form do they see?

बाबा– यज्ञ के आदि के स्वरूप को ही देखते हैं।
जिज्ञासु– यज्ञ के आदि में जो प्रजापिता का पार्ट जिसने बजाया।
बाबा– हां। नीचे आके भूल जाता है। क्योंकि उनका जन्म–जन्मांतर का कनेक्शन ही नहीं है। इसलिये भूल जाता है। ब्रह्मा बाबा याद बना रहता है।
जिज्ञासु– अच्छा।
बाबा– हां। जो साक्षात्कार करने वाले हैं या सूक्ष्म वतन में जाने वाली आत्मायें हैं उनका वो कनेक्शन कोई का राम की आत्मा के साथ ज्यादा जन्मों का कनेक्शन है। कोई का कृष्ण की आत्मा के साथ ज्यादा कनेक्शन है। कोई ऐसी भी हैं जिनका दोनों के साथ कनेक्शन है।
Baba: They certainly see the form that was present at the beginning of the *yagya*.
Student: The one who played the part of Prajapita in the beginning of the *yagya*.
Baba: Yes. They forget it when they come down (from the subtle world) because they don't have connection at all (with the soul of Prajapita) for many births. That is why they forget it. Brahma Baba remains in their memory.
Student: I see.

Baba: Yes. Some of those who experience visions or the souls who go to the subtle world have a connection for many births with the soul of Ram and some have more connection with the soul of Krishna. There are some such souls who have connection with both of them.

समय– 45.22–46.32
जिज्ञासु– और 29.10.99 की एक मुरली में कहा गया है कि बाप क्रियेटर, डायरेक्टर और मेन एक्टर हैं। तो ये तीनों किस पर लागू होता है?
बाबा– क्रियेटर किसको कहा जाता है? हिन्दी में क्रियेटर रचयिता को कहा जाता है।
जिज्ञासु– हां जी।
बाबा– जो रचयिता होता है वो साकार होगा या निराकार होगा?
जिज्ञासु– साकार होगा।
बाबा– रचयिता भी साकार और रचना भी साकार।
जिज्ञासु– तो ये तीनों साकार पर ही लागू होते हैं।
बाबा – डायरेक्टर भी। डायरेक्टर पर्दे के पीछे काम करता है। तो दुनिया की नजरों में तो बाप सामने नहीं आवेंगे। मुख्य एक्टर हीरो को कहा जाता है।
हीरो तो, हीरो पार्टधारी तो शिव को थोड़े ही कहेंगे। हीरो पार्टधारी तो आलराउंड पार्ट बजाता है। हर युग में पार्ट बजाना चाहिये। हर सीन में होना चाहिये। तो राम कृष्ण की आत्माओं को ही हीरो–हीरोइन का पार्ट दिया जा सकता है।
Time: 45.22-46.32
Student: And in a *Murli* dated 29.10.99, it has been said, the Father is the Creator, the Director and the main actor. So, all these three are applicable to whom?
Baba: Who is called the Creator? In Hindi creator means *'rachayita'*.
Student: Yes.
Baba: Will the Creator be corporeal or incorporeal?
Student: He will be corporeal.
Baba: The creator as well as the creation will be corporeal.
Student: So, all these three are applicable to the corporeal only.
Baba: The director as well, the director works behind the curtain. So, the Father will not come in front of the eyes of the world. A hero is called as the main actor. Shiv will not be called a hero, a hero actor. The hero actor plays an allround part. He should play a part in every Age. He should be present in every scene. So, only the souls of Ram and Krishna can be given the parts of hero and heroine.

समय– 46.34
जिज्ञासु– और एक और मुरली में ये आया है कि गऊमुख से सच्ची गीता सुनाते हैं।
बाबा– ठीक है।
जिज्ञासु– तो गऊमुख किसको कहा जायेगा? क्योंकि ज्ञान तो सुनाया जाता है प्रजापिता ब्रह्मा के द्वारा ही, पुरूष मुख के द्वारा ही। तो फिर गऊमुख किसको कहा जाता है?
बाबा– लेकिन जो प्रजापिता के द्वारा या शंकर के द्वारा जो ज्ञान सुनाया जाता है वो पुरूष मुख है या स्त्री मुख है?
जिज्ञासु– पुरूष मुख है।
Time: 46.34
Student: And in another *Murli* it has been mentioned that the true Gita is narrated through the mouth of a cow (*gaumukh*, i.e. through a female)
Baba: It is correct.
Student: So, who will be called a *gaumukh*? Because the knowledge is narrated only through Prajapita Brahma, only through the mouth of a male. So, then who is called *gaumukh*?

Baba: But the knowledge that is narrated through Prajapita or through Shankar, is it the mouth of a male or a female?
Student: It is the mouth of a male.

बाबा– लेकिन मुरली में क्या बोला है? किसके मुख से मुरली अच्छी लगती है?
जिज्ञासु– कन्याओं माताओं के मुख से।
बाबा – कन्याओं, माताओं के मुख से। और रिजल्ट में क्या देखने में आ रहा है? कि एड्वांस नालेज जो है उसकी ओरिजिनली जो शुरूआत है किस मुख से की जा रही है?
जिज्ञासु– स्त्री मुख से।
बाबा– स्त्री मुख से कहां हो रही है? एड्वांस नालेज की शुरूआत..............
जिज्ञासु– नहीं 76 में तो पुरूष मुख के द्वारा ही हुई है। अब भी।
बाबा– अब भी तो पुरूष मुख ही है।
जिज्ञासु– हां जी।
Baba: But what has been said in the *Murli*? Through whose mouth does the *Murli* appear to be better?
Student: Through the mouth of virgins and mothers.
Baba: Through the mouth of virgins and mothers. And what is being observed in the result? Through whose mouth is the advance knowledge originally beginning?
Student: Through the mouth of a female.
Baba: Is it being given through the mouth of a female? The commencement of advance knowledge ....
Student: No, it began through a male mouth indeed in1976. Even now.
Baba: Even now it is the mouth of a male only.
Student: Yes.

बाबा– वो पुरूष मुख तो सफल नहीं होगा।
जिज्ञासु– हां जी।
बाबा– क्यों? क्योंकि सब पुरूष दुर्योधन दु;शासन है।
जिज्ञासु– तो..............
बाबा– इसलिये, विजयमाला निकलनी चाहिये। और रूद्रमाला की मुखिया भी निकलनी चाहिये। दोनों ही गौंऐं है।
जिज्ञासु– लेकिन उनमें शिव की प्रवेशता तो नहीं होती है ना।
बाबा– शिव की प्रवेशता क्यों होगी? ज्ञान सुनाने के लिये शिव की प्रवेशता जरूरी है? हं? जो सीधा, सच्चा, साफदिल आदमी होगा, वो दूसरे की कही हुई बात नमक–मिर्च मिला करके सुनायेगा या सीधी–साधी बात सुना देगा?
Baba: That male mouth will not become successful.
Student: Yes.
Baba: Why? It is because all the men are *Duryodhans* and *Dushasans*.
Student: So...
Baba: That is why, the *Vijamala* (rosary of victory) should emerge. And the head of the *Rudramala* (rosary of *Rudra*) should also emerge. Both are cows.
Student: But Shiv doesn't enter in them, does He?
Baba: Why will Shiv enter in them? Is the entrance of Shiv necessary to narrate knowledge? Hum? Will a person who is simple, true, with a clear-heart narrate the versions of others by adding salt and chilli in it (i.e. by changing the versions) or will he narrate the subject in a direct and simple manner?

जिज्ञासु– सच्ची बात सुना देगा।
बाबा– तो गऊ नाम क्यों दिया गया है?
जिज्ञासु– सीधी–साधी होने के कारण।
बाबा– सीधी–सीधी होती है, स्वभाव–संस्कार सीधे–साधे हैं, तो जैसा सुना है, वैसा ही सुनाया। नहीं तो एड़वांस नॉलेज में बड़ी मम्मा के अलग हो जाने के बावजूद भी, जो एड़वांस नॉलेज की कैसेट्स बड़ी माँ के द्वारा चलायी गयी है, वो अभी भी स्वीकृत क्यों है?
Student: He will narrate the true version.
Baba: So, why has the name of a cow (*gau*) been given?
Student: Because of being simple.
Baba: She is simple, her nature and *sanskars* are simple; so she narrated in the same way as she had heard it. Otherwise, even after the senior mother has separated (from the *yagya*) in the advance knowledge, why are the cassettes of advance knowledge narrated by the senior mother still accepted?

जिज्ञासु– क्योंकि उन्होने सच्चे दिल से सुनायी।
बाबा– सच्चे दिल से सुनायी गयी है, जो कुछ सुनाया, जो बाबा ने सुनाया वैसा ही वो उन्होंने सुनाया। एक–दो बात अंश मात्र कहीं मिक्स हो गयी हो तो बात अलग है क्योंकि एक मुख की सुनी हुई बात दूसरे मुख में जाती है, कुछ तो अंतर पड़ जाता है। लेकिन वो अंतर दूसरी आत्मायें पकड़ नहीं सकती सिवाय बाप के। और?
Student: It is because she narrated it with a true heart.
Baba: It has been narrated with a true heart. Whatever she narrated, she narrated in the same way as Baba narrated it. If one or two things would have mixed up somewhere in a small proportion then it is a different case, because when the versions heard through one mouth passes to another mouth, some difference certainly arises. But except the Father nobody can catch that difference. Anything else?

समयः 49.20
जिज्ञासु– और, एक और मुरली में बात आई है कि गीता फैमिली प्लानिंग का शास्त्र है। तो ये कैसे होता है?
बाबा– जब सच्ची गीता निकलेगी.........गीतायें दो है। एक है भगवान की बनाई हुई गीता और एक है मनुष्यों की बनाई हुई, मनुष्यों की छाप जिसपे पड़ जाती है, वो झूठी गीता है। उन दोनों का नाम भक्ति मार्ग में दिया है महागौरी और महाकाली। तो जो महाकाली है, वो सारे सृष्टि का विनाश करने के निमित्त बनती है।
Time: 49.20
Student: And one more thing has been mentioned in *Murli* that Gita is a scripture of family planning. So, how does this happen?
Baba: When the true Gita emerges…..there are two Gitas. One Gita is created by God and the other is created by human beings, the one on whom the impression of human beings is laid is the false Gita. Both of them have been named in the path of devotion as *Mahagauri* and *Mahakaali,* respectively. So, the one who is *Mahakaali* becomes an instrument in destroying the entire world.

जिज्ञासु– और अगर सूक्ष्म में................
बाबा– तब बनती है जब विजयमाला की हेड निकलती है। और वो गऊमुख द्वारा ही निकलती है। वो गऊमुख पत्थर का दिखाया गया है। माना, जैसे शिवलिंग पत्थरबुद्धि हो जाता है, वैसे गऊमुख भी जब तमोप्रधान बनता है तो क्या हो जाता है?
जिज्ञासु– पत्थर का।

बाबा– पत्थरबुद्धि हो जाता है। और?
Student: And if in subtle form…
Baba: She becomes (an instrument) when the head of *Vijaymala* (rosary of victory) emerges. And she (the true Gita) certainly emerges through the mouth of a cow (*gaumukh*). That *gaumukh* is shown to be made up of stone. It means, just as *Shivling* (the corporeal in whom Shiv enters) becomes the one with a stone-like intellect, similarly, when the (soul representing) *gaumukh* becomes *tamopradhan* (dominated by the quality of darkness or ignorance), what does it become?
Student: Of stone.
Baba: It becomes the one with a stone-like intellect. Any other question?

समयः 50.53
जिज्ञासु– और, एक और प्रश्न ये उठाया जाता है कि पी.बी.के अपने को कहते तो पी.बी.के. है, लेकिन उसकी निशानी तो उन्होने बतायी है कि एक तो सभी ये स्वीकार करे कि प्रजापिता यही आत्मा है। तो अभी तक तो सभी ने पूरी तरह से स्वीकार नहीं किया है कि.....
बाबा– तो फिर निश्चय–पत्र में क्या लिखा हुआ है? निश्चय पत्र में नाम किसका दिया हुआ है?
जिज्ञासु– उसमें तो प्रजापिता के रूप में स्वीकार करते हैं।
बाबा– तो फिर। ये ना कैसे करेंगे?
Time: 50.53
Student: And another question, which is (generally) raised (on the BKInfo forum) is, the PBKs do call themselves PBKs, but they have mentioned its indication: one thing is that everyone should accept, this is the soul of Prajapita indeed. So, till now everyone has not accepted completely that….
Baba: So, what has been written in the letter of faith *(nischaypatra)*? Whose name has been mentioned in the letter of faith?
Student: In that they accept (him) as Prajapita.
Baba: So, then? How will they deny?

जिज्ञासु– सारे विश्व ने तो अभी..........
बाबा– सारे विश्व की बात थोड़े ही है। जो बच्चे बनते है उनकी बात है या सारे विश्व की बात है? बच्चा जब पैदा होता है तो बाप के घर में जाके पैदा होता है या बिना बाप के घर में जन्म लिये ही बच्चा कहा जाता है? हं?
जिज्ञासु– जब पैदा होता है तब।
बाबा– तो सारे विश्व की आत्मायें बाप के घर में जा करके एड़वांस कोर्स लेंगी?
जिज्ञासु– नहीं लेंगी।
बाबा– भट्ठी करेंगी?
जिज्ञासु– नहीं।
बाबा– फिर? बच्चे किस बात के है?
Student: Now the entire world….
Baba: It is not about the entire world. Is it about those who become children or is it about the entire world? When a child takes birth, does he go and take birth in the father's home or is he called the (father's) child without taking birth in the father's home? Hum?
Student: When he takes birth (in father's home).
Baba: So, will the souls of the entire world go and take advance course at the father's home?
Student: They will not.
Baba: Will they do *bhatti* (furnace)?

Student: No.
Baba: Then? How are they the children?

जिज्ञासु– और दूसरी बात वो कह रहे है कि जब प्रजापिता ब्रह्मा है तो फिर 100 परसेंट उनकी दृष्टि भी पवित्र होनी चाहिये लेकिन ऐसे नहीं है।
बाबाः ये कोई बात है कि जब शिवबाबा प्रवेश कर रहा है प्रजापिता में तो 100 परसेंट पवित्र बुद्धि होनी चाहिए, पवित्र वृत्ति होनी चाहिए, पवित्र कर्मेन्द्रियां होनी चाहिए। फिर तो पुरुषार्थ करने की बात ही खत्म हो जाती है। भगवान के बच्चे हैं तो ऐसे होने चाहिए, वैसे होने चाहिए। तो ज्ञान सुनाने की बात ही नहीं है। लम्बा–लम्बा–लम्बा–लम्बा, कई–कई साल तक ज्ञान सुनाने की क्या दरकार है? वो तो पक्के हो गये। भगवान के बच्चे बन गए ना। फिर। भगवान के बच्चे भगवान की पढ़ाई–लिखाई नहीं पढ़ेंगे? धारण नहीं करेंगे?
जिज्ञासुः पुरुषार्थ तो करेंगे।
बाबाः पुरुषार्थ करेंगे कि नहीं करेंगे? और?
Time:
Student: And another thing that they were saying was, when there is Prajapita Brahma, then their vision should be 100 percent pure, but it is not so.
Baba: It is not an issue that if Shivbaba is entering in Prajapita then the intellect should be 100 percent pure, the vibrations should be pure; the organs of action should be pure. Then the question of making special effort for the soul completely ends. When they are God's children, they should be like this, they should be like that. Then there is no question of narrating knowledge at all. What is the need to narrate knowledge for so long, for so many years? They have become firm. They have become God's children, haven't they? Then? Will God's children not study the knowledge of God? Will they not imbibe?
Student: They will make special effort for the soul.
Baba: Will they make special effort for the soul or not? And?

समयः 52.54
जिज्ञासुः और एक और प्रश्न ये आया है कि क्या ऐसा हो सकता है कि गुल्जार दादी के द्वारा जब अव्यक्त वाणी चल रही हो और उसी समय क्लेरिफिकेशन मुरली भी चल रही हो तो ऐसे में ब्रह्मा की सोल तो एक ही स्थान पर नही हो सकती है क्योंकि क्लेरिफिकेशन...
बाबाः ये क्या बात हुई? ब्रह्मा की सोल जो है, जब वहां वाणी चलेगी गुल्जार दादी की, उसी समय उसका क्लेरिफिकेशन दूसरे जगह कैसे हो जाता है? वाणी को तो कम–से–कम एक दिन लग जाता है आने में। हं?
जिज्ञासुः छप के आने में तो...
बाबाः जस्ट उसी मोमेंट....छप के आने की भी बात नहीं। चलो, इंटरनेट से ही आ जाए। तो भी टाइम तो लगेगा। एकदम तो नहीं आ जाती है।
Time: 52.54
Student: And another question which has been asked is, can it be possible that when *Avyakta Vani* is being narrated through *Gulzar Dadi* and at the same time clarification *Murli* is being narrated as well; so in such a case Brahma's soul cannot be present only at one place because clarification.....
Baba: What is this? The soul of Brahma, when the *Vani* will be narrated there through *Gulzar Dadi*; at the same time, how is its clarification given at another place (for the same *vani*)? The (printed) *vani* takes at least one day to reach. Hum?
Student: To receive the printed copy...
Baba: Just at the same moment...It is not even the question of the printed copy. OK, even if it comes through internet. Even then it will take time. It does not come immediately.

समयः 53.52–
जिज्ञासुः और एक बात जो है अभी अव्यक्त वाणी में पिछले साल भी आयी था और इस साल भी फिर अभी जो पहली अव्यक्त वाणी चली है उसमें भी रिपीट हुआ है कि, ''फिर भी बापदादा, दोनों को समाने का पार्ट बच्ची ने अच्छा बजाया है।'' तो इस प्वाइंट को लेके, पिछले साल भी आया था ये प्वाइंट। तो उसको लेके बी.के. वाले कह रहे हैं कि आप तो कहते हैं गुल्जार दादी में शिवबाबा नहीं आते हैं लेकिन यहां तो बार–बार अव्यक्त बापदादा कह रहे हैं कि गुल्जार बच्ची में....
Time: 53.52
Student: And another thing that was mentioned in an *avyakta vani* last year as well as it has been repeated in the first *avyakta vani* that was narrated in this year is, "even then the daughter has played the part of assimilating both Bap and Dada nicely." So, quoting this point, that was mentioned (by Bapdada) last year also, the BKs are saying: you say that Shivbaba does not come in *Gulzar Dadi*, but here *Avyakt* Bapdada is saying repeatedly that in *Gulzar Dadi*...

बाबाः जैसे बाबा बोलते हैं....
जिज्ञासुः....बाप और दादा....
बाबाः हां, वो समझ गया। जैसे बाबा बोलते हैं कुमारिका, जैसे बाबा बोलते हैं जगदीश भाई, जैसे बाबा बोलते हैं रमेश भाई, तो ये हद के रमेश भाई, गुल्जार हैं या बेहद के हैं?
जिज्ञासुः बेहद के हैं।
बाबाः ये बेहद के हैं? ये दुनिया का गुले–गुल्ज़ार करके दिखायेंगे?
जिज्ञासुः नहीं, वो जो है....
Baba: For example, when Baba says....
Student: ....Bap and Dada....
Baba: Yes, I have understood (what you want to say). For example, when Baba says '*Kumarika*'; Baba says *'Jagdish bhai'*, for example, Baba says *'Ramesh bhai*; so are these limited *Ramesh bhai*, *Gulzar* or are they the unlimited ones?
Student: They are in an unlimited sense.
Baba: Are these in an unlimited sense? Will they make the world a garden *(gule-gulzar)*?
Student: No, they ....

बाबाः नहीं, ऐसे नहीं है। ये कोई बात हुई? गुल्ज़ार नाम रख देने से गुल्जार नाम थोड़ेही हो जायेगा। गुल्ज़ार तो उसे कहा जाता है जो दुनिया को गुले–गुल्ज़ार करके दिखाये अपने जीवनकाल में। स्वर्ग के गेट खोले। गुल्ज़ार उनके लिए लागू नहीं होता है। गुल्ज़ार लागू होता है राम–कृष्ण की आत्माओं की आत्माओं को जिस महाकाली ने अपने अंदर धारण करके दिखाया हुआ है। अभी भी दोनों ` आत्मायें, स्मृति–चक्र में घूम रहे हैं। ब्रह्माकुमारियां रामवाली आत्मा को याद करेंगी? करेंगी या नफरत करती हैं?
जिज्ञासुः वो तो नफरत करती हैं।
बाबाः फिर?
Baba: No, it is not like this. It is not right. Will one become *Gulzar* just by being named as *Gulzar*? That person is called *Gulzar* who turns this world into a garden, opens the gate of heaven during her lifetime. *Gulzar* is not applicable to her (the limited one). *Gulzar* is applicable to *Mahakali* who has assimilated the souls of Ram and Krishna in herself. Even now, both the souls are revolving in her memory wheel. Will Brahmakumaris remember the soul of Ram? Will they (remember him) or do they hate him?

Student: They hate him.
Baba: Then?

समयः 55.44—
जिज्ञासुः और एक और बात ये है कि अभी प्रकाशमणि दादी के गुजर जाने के बाद शांतिवन में उन्होंने एक शक्तिस्तंभ खड़ा किया है जैसे ब्रह्मा बाबा के लिए शांतिस्तंभ खड़ा किया था। तो उसमें जो है एक खास बात देखने में आयी है कि आज तक जितने भी ब्रह्माकुमारी आश्रमों में शिवबाबा की जो लाईट होती है वो लाल कलर की होती है लेकिन ये जो शक्तिस्तंभ है, इसमें जो है जो स्तंभ के ऊपर जो लाईट बनायी है वो हरे कलर की बनायी है, हरे कलर का कोई पत्थर जडा हुआ है। लेकिन...
Time: 55.44
Student: And another thing is that now after *Prakashmani Dadi* has left her body they have erected a *shaktistambh* (tower of power) in *Shantivan* (BK premises at Abu Road) like they prepared the *shantistambh* (tower of peace) for Brahma Baba. So, a special thing has been observed in it that till now Shivbaba's light at all the Brahmakumari *ashrams* which are there, used to be of red colour; but they have made a green coloured light in this *shaktistambh* at the top of the tower . They have engraved a green stone on it. But...

बाबाः अच्छा बनाया है। ड्रामा प्लान अनुसार ठीक बनाया है। जो विषयी रंग होते हैं, विषैले रंग वो तीन ही होते हैं। या तो नीला, या तो काला, या हरा। सर्प के मुंह में से जो, भांति—भांति के सर्प होते हैं ना, उनके मुंह में से जो विष निकलता है वो भी तीन रंगों का होता है। या तो हरा, या तो नीला या तो काला। जो झाड़ के चित्र में इब्राहिम बैठा हुआ दिखाया गया है, उसकी पोशाक कैसी दिखाई गई है?
जिज्ञासुः हरी।
बाबाः हरी दिखायी गयी है। क्यों? क्या दिखाने के लिए हरी पोशाक दिखायी गयी है? और दूसरे धर्मपिताओं की ऐसी पोशाक क्यों नहीं दिखायी है?
जिज्ञासुः वो उल्टा ज्ञान सुनाते हैं।
Baba: They have made it rightly. They have built it correctly as per drama plan. There are only three vicious colours, poisonous colours. It is either blue or black or green. From the mouth of the snakes… there are different kinds of snakes, aren't there? The poison that emerges from their mouth is also of three colours. It is green, blue, or else black. What is the colour of the dress of Abraham who has been shown to be sitting in the picture of the '*Kalpa* Tree'?
Student: Green.
Baba: It has been shown green. Why? Green dress has been shown to depict what? Why haven't the other religious fathers been shown to be wearing such dress?
Student: He narrates opposite knowledge.

बाबाः हां, विशैला ज्ञान सुनाते हैं। कुमारिका दादी ने कन्याओं को सरेंडर किया और कन्याओं को सरेंडर करने के तुरंत बाद भाईयों को सौंप दिया। जाओ इनकी परवरिश करो, इनकी रक्षा करो, इनके पति बनो और पति बनके बैठे हुए हैं। जब पुलिस आश्रमों में घुस—घुस करके वो सारा कबाड़ा पकड़ेगी तब ये सारी बातें आउट होंगी। किसी का कुछ भी छुपा नहीं रहेगा। अभी तो खुला खेल फर्रूखाबादी चल रहा है, उसके ऊपर दुनिया भर के दोष मढ़े जा रहे हैं।
जिज्ञासुः अभी तो एडवांस पार्टी वालों के ऊपर लांछन लगाते हैं कि ये पतित हैं, पतित हैं, लेकिन अब भी....

Baba: Yes, he narrates poisonous knowledge. *Kumarika Dadi* made the virgins to surrender and soon after making the virgins surrender, she handed them over to the brothers. (She told the brothers) Go and take care of them, guard them, become their husbands and they have assumed the position of their husbands. When the Police enters the *ashrams* and catches all that garbage then all these issues will come out (in public). Nothing of anyone will remain hidden. Now the drama of *Farrukhabadi* (resident of Farrukhabad) is going on openly; all kinds of charges are being leveled against him.
Student: Now they are levelling charges against the members of the Advance Party that they are sinful, they are sinful, but even now....

समयः 57-47
जिज्ञासुः अभी हाल ही में बी.के.इन्फो पर किसी ने जानकी दादी का एक लैटर....
बाबाः अब वो हरा रंग बदल देंगे ये कैसेट सुन करके।
जिज्ञासुः लेकिन उसका प्रूफ तो छप गया ना बाबा। दो–तीन मैगजीनों में वो फोटो छपा है, कलर फोटो जिसमें वो हरा कलर नजर आ रहा है।
बाबाः हां, जी, हां जी।
जिज्ञासुः और मैंने एक–दो बी.के. से पूछ के ये कन्फर्म भी कर लिया। तो उन्होंने कहा वो पत्थर है, हरा पत्थर है।
Student: Now recently someone produced a letter of *Janaki Dadi* on BKInfo...
Baba: Now they will change that green colour after listening to this cassette.
Student: But Baba its proof has already been published, hasn't it? That photograph, a colour photograph has been published in two or three magazines, in which that green colour is visible.
Baba: Yes, yes.
Student: And I have got it confirmed from one or two BKs as well. They said, it is a stone, a green stone.

बाबाः जो सीढ़ी का चित्र है ना। सीढ़ी के चित्र में जो दुःशासन द्रौपदी को नगन कर रहा है, उसे चुंगीदार पायजामा और अचकन जो दिखाई गई है ना, वो पहले जगदीश भाई पहनते थे। फिर जैसे ही एडवांस पार्टी में ये प्वाइंट निकला, फिर उन्होंने फट से चेन्ज कर दिया। पीला कुर्ता और सफेद धोती वाला दिखा दिया।
जिज्ञासुः अच्छा।
बाबाः और सारे चित्र ही, चारों चित्र ही चेंज कर दिये। गिरगिट की तरह रंग बदलते हैं।
Baba: There is a picture of the Ladder, isn't it? In the picture of the Ladder, *Dusshasan* who is stripping off *Draupadi* has been depicted to be wearing a *chungidaar* (tight) *pyjama* and *achkan* (coat). Earlier *Jagdish bhai* (a BK brother) used to wear that kind of dress. Then as soon as this point emerged in the Advance Party, they changed the picture immediately. They showed him to be wearing a yellow *kurta* and white *dhoti*.
Student: I see.
Baba: And they changed all the pictures, all the four pictures. They change colours like chameleons.

समयः 58.42
जिज्ञासुः बी.के.इन्फो साइट पर अभी हाल ही में किसी ने जानकी दादी का एक ईमेल पब्लिश (प्रकाशित) कर दिया था। तो उसमें ये समाचार जानकी दादी ने सारे बी.के.सेन्टर्स को ये ई–मेल भेजा था कि 16 अक्तूबर को दादी मनोहर कोमा में चली गयी है, जिनका जिक्र मुरलियों में भी आता रहता है, मनोहर दादी का।

बाबाः हां,जी, हां, जी।
Time:
Student: Now recently someone published an e-mail of *Dadi Janaki* on BKInfo site. So, in that *Dadi Janaki* circulated the news to all the BK centres through e-mail that *Dadi Manohar*, whose name is mentioned in the *Murlis* also, has gone into coma on 16th October.
Baba: Yes, yes.

जिज्ञासुः तो उन्होंने ई–मेल में सभी बी.के. सेन्टर वालों को ये कहा कि दादी के प्रति प्यार के प्रूफ के तौर पर हम उनको योग द्वारा सकाश दें।
बाबाः मनोहर दादी को?
जिज्ञासुः हां, क्योंकि वो जैसे प्रकाशमणि दादी के लिए कहते थे कि योग लगाओ, योग लगाओ। वैसे अभी मनोहर दादी के लिए भी कहने लगे कि प्यार के प्रूफ के तौर पर उनके लिए योग लगायें। सभी सेन्टरों पर सामुहिक योग करें।
बाबाः हां।
Student: So, in that e-mail she told the members of all the BK centers that we should give her *(Dadi Manohar) sakash* (searchlight) through *yog* as a proof of our love for *Dadi.*
Baba: To *Manohar Dadi*?
Student: Yes, because just as they used to say for *Dadi Prakashmani* that you should do *yog,* do *yog* similarly, now they started saying for *Manohar Dadi* that they should do *yog* as a proof of love (for her). A collective *yog* should be performed at all the centres.
Baba: Ok…

जिज्ञासुः तो ये तो श्रीमत के विरुद्ध हुआ कि किसी एक आत्मा के लिए पर्टिकुलरली (विशेष) हम योग लगायें।
बाबाः तो लगाव–झुकाव कैसे साबित होगा? अगर ये बात घोषित नहीं करेंगे तो लगाव–झुकाव साबित कैसे होगा कि दादियों का दादियों के साथ लगाव–झुकाव है? दुनिया की और आत्माओं के साथ नहीं है।
जिज्ञासुः हां जी।
Student: So, it is against *shrimat* to do *yog* particularly for a soul.
Baba: Otherwise, how will the attachment and inclination be proved? If they do not declare this, then how will the attachment and inclination be proved that *Dadis* have attachment and inclination towards *Dadis*? But not for other souls of the world.
Student: Yes.

बाबाः अच्छा ही है। फिर योग वाली बात जो है, वो तो योग उनका साबित ही नहीं होता। किससे योग? उनका योग है कहां? बिन्दी को याद करना कोई योग होता है? किसके साथ योग किया? हं?
जिज्ञासुः बिन्दी।
बाबाः बिन्दी? कौनसी बिन्दी?
जिज्ञासुः बिन्दी का तो पता नहीं चलता।
बाबाः फिर, पता नहीं चलता। फिर योग कहां हुआ। किस आत्मा के साथ लगन हुई। लगाव कहां सूचित हो रहा है। अरे, सब ढकोसला है।
Baba: It is good. Then the issue of *yog,* their's is not proved as *yog* at all. *Yog* (i.e. connection) with whom? Their's is not yog. Is it called *yog* to remember a point (*bindi*)? With whom did they make *a* connection? Hum?
Student: *Bindi* (a point).
Baba: *Bindi*? Which *bindi*?

Student: One cannot know which *bindi.*
Baba: Then? If one does not come to know then is it yog? The dedication was with which soul? The attachment is being indicated for whom? Arey, all this is a show.

जिज्ञासु: अब, ये लेटर जब वेबसाईट पर डाल दिया, तो विदेशी तो पहचान गये कि एक तरफ से तो ये कहते हैं कि एक बाप दूसरा न कोई, दूसरी तरफ कहते हैं कि इस दादी के लिए योग करो, उस दादी के लिए योग करो।
बाबा: फिर।
जिज्ञासु: तो फिर एक बाप दूसरा न कोई कैसे हो जायेगा?
बाबा: फिर?
जिज्ञासु: वो कहते कुछ हैं और करते कुछ हैं।
Student: Well, when this letter was posted on the website, the foreigners realized that on the one side they (i.e. BKs) say 'one Father and none else' and on the other side they say to do *yog* for this *Dadi*, for that *Dadi.*
Baba: So?
Student: So, how will it be 'one Father and none else'?
Baba: Then?
Student: They say something and do something else.

बाबा: तो ये अब पता चला विदेशियों को?
जिज्ञासु: पहले तो भक्तिमार्ग की तरह फालो कर रहे थे ना उनको।
बाबा: नहीं, नहीं, ये एडवांस नालेज सन 76 से निकली हुई है, तब से पता नहीं चला?
जिज्ञासु: तब उन तक पहुंचा नहीं था ना ज्ञान।
बाबा: प्रैक्टिकल करके देखते हैं। ऐसे भगवान की बात नहीं मानते, जो मुरलियों से ही साबित हो रही है।
जिज्ञासु– पहले तो इन्होने सारा छुपा के रखा था ना एड़वांस ज्ञान को। अब तो इंटरनेट के द्वारा सब जगह फैल रहा है तो अब उनको पता चल रहा है कि भई जो बी.के. वाले कर रहे हैं वो भक्तिमार्ग है और जो एड़वांस में हो रहा है वो ज्ञानमार्ग है।
Baba: So, have the foreigners come to know of it now?
Student: Earlier they were following them like in the path of worship, weren't they?
Baba: No, no. Did they not come to know ever since this advance knowledge has emerged in 1976?
Student: At that time the knowledge had not reached them, had it?
Baba: They do in practical first and see (the result). They do not accept the versions of God easily, which is being proved through the *Murlis* only.
Student: Earlier they kept the entire advance knowledge hidden, didn't they? Now it is spreading everywhere through the internet. So, now they are coming to know that whatever BKs are doing is the path of devotion and whatever is happening in the advance (party) is the path of knowledge.
……………………………………………………………………………………
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.